



ब्रिटेन में नेपाली सेना का लगातार तीसरे साल स्वर्ण पदक पर कब्जा

काठमांडू
नेपाली सेना को टीम ने यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) के वेल्स स्थित ब्रेकन में आयोजित कैम्ब्रियन पेट्रोल एक्सरसाइज में लगातार तीसरे वर्ष स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस अभ्यास में 35 देशों की 130 अंतरराष्ट्रीय टीमों ने हिस्सा लिया।

लंदन स्थित नेपाली दूतावास के सैनिक सहचारी ब्रिगेडियर जनरल अनूप शाह ने बताया कि बेहद कठिन माने जाने वाले इस अभ्यास में नेपाली सेना ने वर्ष 2024 से लगातार तीन वर्षों तक स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल की है। इस अभ्यास को ब्रिटिश सेना का प्रमुख गश्ती अभ्यास माना जाता है। इसका

इस अभ्यास में 35 देशों की 130 अंतरराष्ट्रीय टीमों ने हिस्सा लिया

आयोजन मुख्यालय 160वीं (वेल्स) ब्रिगेड ने किया।

टीम मैनेजर लेफ्टिनेंट कर्नल निश्चल पाठक और पेट्रोल कमांडर लेफ्टिनेंट प्रवीण पांडे के नेतृत्व में नेपाली सेना की 10 सदस्यीय टीम फिलहाल ब्रिटेन में है। वर्ष 1960 से हर साल

आयोजित होने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में नेपाली सेना वर्ष 2014 से भाग ले रही है। इस दौरान नेपाली सेना ने लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई है।

पिछले वर्ष भी नेपाली सेना ने इस अभ्यास में स्वर्ण पदक जीता था। उस समय कुल 117 टीमों ने हिस्सा लिया था, जिनमें 33 देशों की 35 अंतरराष्ट्रीय टीमें शामिल थीं। इसी तरह, वर्ष 2024 में आयोजित कैम्ब्रियन पेट्रोल एक्सरसाइज में भी नेपाली सेना ने स्वर्ण पदक हासिल किया था। उस वर्ष कुल 121 टीमों ने भाग लिया था, जिनमें 36 देशों की 38 अंतरराष्ट्रीय टीमें शामिल थीं।

इससे पहले नेपाली सेना ने वर्ष 2017 और 2019 में भी स्वर्ण पदक जीता था। ब्रिटिश सेना के अनुसार, इस अभ्यास में प्रतिभागियों को मानसिक और शारीरिक रूप से कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसमें शामिल टीमों की युद्ध संबंधी तैयारी, सूचना संग्रह, घायलों और बीमारों के प्रबंधन सहित विभिन्न सैन्य दक्षताओं का परीक्षण किया जाता है। आठ चरणों में आयोजित इस अभ्यास के दौरान टीमों को 48 घंटे के भीतर हथियारों के साथ लगभग 70 पाउंड (करीब 32 किलोग्राम) वजन के उपकरण और अन्य जरूरी सैन्य सामग्री लेकर 60 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है।

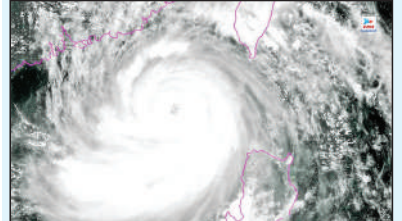
न्यूज़ ब्रीफ

ईरान के 'शैडो पलीट' पर अमेरिका ने नए प्रतिबंध लगाए



वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए गुरुवार को उसके तेल कारोबार से जुड़े व्यक्तियों, नेटवर्क और 17 जहाजों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार, ये जहाज ईरान का कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और पेट्रोकेमिकल्स ले जाने में इस्तेमाल किए जा रहे थे। नये प्रतिबंध अमेरिकी वित्त मंत्रालय के 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' के तहत लगाए गए हैं। अभियान का उद्देश्य ईरान की सरकार के उन वित्तीय स्रोतों पर रोक लगाना है, जिनका इस्तेमाल अमेरिका के अनुसार युद्ध, मिसाइल निर्माण, साइबर हमलों और इस्लामिक रिवाल्यूशनरी गार्ड कॉर्पस (आईआरजीसी) के लिए किया जाता है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि ताजा कार्रवाई ईरान के बचे हुए अवैध समुद्री ढांचे पर अब तक का सबसे बड़ा प्रहार है और इससे उसके तेल कारोबार से होने वाली आय पर दबाव बढ़ेगा। अमेरिका ने 14 जुलाई को ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी फिर लागू की थी। यह कदम तेहरान और वाशिंगटन के बीच समझौता ज्ञापन पर सहमति नहीं बन पाने के बाद उठाया गया था। अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, नाकाबंदी से बाहर ईरानी जहाजों पर अब करीब 2 करोड़ बैरल कच्चा तेल बचा है। इसके मुकाबले दुनिया में रोजाना करीब 10 करोड़ बैरल तेल की खपत होती है।

'इसायास' तूफान मेक्सिको की खाड़ी की ओर बढ़ा, हजारों लोगों पर कहर बनकर बरसेगा



वाशिंगटन। अटलांटिक महासागर में इस साल का पहला चक्रवाती तूफान 'इसायास' अब विकराल रूप ले चुका है और तेजी से अमेरिका के मेक्सिको की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह हरिकेन रात के अंधेरे में सबसे ज्यादा शक्तिशाली हो जाएगा, जो 177 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के साथ कैलीफोर्निया, अलबामा और मिसिसिपी के तटीय इलाकों में 50 हजार से ज्यादा लोगों पर कहर बरपाएगा। तूफानी हवाओं, मुसलाधार बारिश के साथ 7 फीट ऊंची समुद्री लहरें इस तूफान को और खतरनाक बना देंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खाड़ी का पानी इस चक्कर उम्मीद से कहीं ज्यादा गर्म है, जो इस चक्रवात को लगातार ऊर्जा दे रहा है और इसे दिन-ब-दिन ज्यादा आक्रामक बना रहा है, जिसने सितंबर से पहले हरिकेन बनने का कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 'इसायास' के केंद्र में हवाओं की रफ्तार 130 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच चुकी है। जैसे-जैसे यह जमीनी इलाके के पास पहुंचेगा, इसकी रफ्तार 177 किलोमीटर प्रति घंटा की हो सकती है, जिससे यह 'कैटेगरी 2' का एक विनाशकारी हरिकेन बन जाएगा। रात के समय जब यह तट से टकराएगा, तो हवाओं का ये प्रचंड दबाव पड़ो को उखाड़ देगा, बिजली के खंभे ध्वस्त कर देगा। हवाओं की गति के साथ-साथ सबसे बड़ा खतरा समुद्री लहरों से है, जिसे 'स्टॉर्म सर्ज' कहा जाता है।

न्यूयॉर्क में आईसीई के ऑपरेशन बंद किए जाएं: मेयर ममदानी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शहर में अमेरिकी आप्रवासन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट/आईसीई) के ऑपरेशन को बंद करने की मांग की है। यह मांग ब्रॉक्स में एक आईसीई एजेंट के एक व्यक्ति को गोली मार जाने की घटना के बाद की गई। इस घटना के बाद एक अस्पताल के बाहर आईसीई विरोधी प्रदर्शनकारियों और न्यूयॉर्क पुलिस के बीच झड़प हुई है। अस्पताल में घायल व्यक्ति का इलाज चल रहा है। मेयर ममदानी ने गुरुवार (स्थानीय समय) को एक्स पर लिखा, "दोषधर में मार्बल हिल के एक रिहायशी इलाके में आईसीई एजेंट ने न्यूयॉर्क के एक निवासी को गोली मार दी। शुरुआती खबरों से पता चलता है कि एजेंटों ने उसकी कार में उसे और एक पांच साल के बच्चे को घेर लिया और फिर कई राउंड गोलियां चलाईं। यह गंभीर स्थिति है। मैंने राष्ट्रपति को फोन किया है। जब हमारी बात होगी, तो मैं मांग करूंगा कि वह हमारे शहर में आईसीई की सभी कार्रवाई बंद करवाए। मैं चुपचाप यह सब नहीं देख सकता। रात में हमारी संवेदनशील घायल न्यूयॉर्क निवासी और उनके परिवार के साथ हैं। हम उनके ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं।"

मेक्सिको जेल में हुआ खूनी तांडव 10 लोगों की मौत, कई घायल

मेक्सिको सिटी

मेक्सिको के सिनालोआ राज्य में स्थित एक जेल में गुरुवार को हुई भीषण हिंसक झड़प ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। इस खूनी तांडव में कम से कम 10 लोगों की जान चली गई, जिनमें एक दुर्भाग्यपूर्ण नाबालिग भी शामिल था जो किसी कैदी से मिलने आया था। घटना में 16 अन्य कैदी घायल भी हुए हैं, जिन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए भेजा गया।

यह घटना मेक्सिको के उस सिनालोआ राज्य में हुई है, जिसकी पहचान लंबे समय से ड्रग कार्टेल से जुड़ी भयानक हिंसा और खूनी संघर्षों के गढ़ के रूप में होती रही है। यहां की जेलों में अक्सर ऐसे भयावह टकराव देखने को मिलते हैं, जो सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। यह विशेष रूप से तब और चिंताजनक हो जाता है जब देश पहले भी जेलों में हुई बड़ी हिंसाओं का गवाह रहा हो। वर्ष 2016 में इसी तरह की एक घटना टोपो चिको जेल में भी सामने आई थी, जहाँ 49 कैदियों ने अपनी जान गंवाई थी, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा बलों की अधिकारियों ने बताया कि झड़प के तुरंत बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों को जेल परिसर में तैनात किया गया। बख्तरबंद वाहनों और एंबुलेंस को मौके पर पहुंचते देखा गया, ताकि घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा सके और आगे की हिंसा को रोकना जा सके। सार्वजनिक सुरक्षा सचिव, सिनुहे टेलेस ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस घटना की पुष्टि करते हुए मृतकों और घायलों का आंकड़ा साझा किया।

हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कैदियों के बीच यह हिंसक झड़प किस वजह से शुरू हुई। जांचकर्ता घटना के मूल कारणों का पता लगाने में जुटे हैं, लेकिन प्रारंभिक अनुमान ड्रग कार्टेल से जुड़े आंतरिक संघर्षों की ओर ही इशारा कर रहे हैं क्योंकि सिनालोआ ड्रग तस्करी करने वाले गुटों के बीच संघर्ष का एक प्रमुख केंद्र रहा है। इस ताजा घटना ने एक बार फिर मेक्सिको की जेल प्रणाली में व्याप्त असुरक्षा और गंभीर चुनौतियों को उजागर कर दिया है। जेलों के भीतर इस तरह की हिंसक झड़पें न केवल कैदियों की सुरक्षा पर खतरा पैदा करती हैं, बल्कि पूरे समाज में भय का माहौल भी बनाती हैं। ऐसे में अधिकारियों पर यह दबाव बढ़ गया है कि वे जेलों की सुरक्षा व्यवस्था में सुधार करें और ड्रग कार्टेल के बढ़ते प्रभाव पर



अमेरिका में फायरिंग से बवाल, कार में बच्चा होने पर भी चलाई गोली

वॉशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित ब्रॉक्स में 8 अक्टूबर को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के एजेंट द्वारा की गई गोलीबारी ने एक बार फिर देश में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। यह घटना तब हुई जब एक 28 वर्षीय व्यक्ति अपनी कार में बैठा था और सबसे चोकाने वाली बात यह कि पिछली सीट पर उसका 5 साल का बच्चा भी मौजूद था। सीमाभ्रम से बच्चे को कोई चोट नहीं आई, जबकि घायल व्यक्ति की गर्दन पर गोली की खरोंच आई है, जो जानलेवा नहीं है। इस घटना ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त इमिग्रेशन अभियान और आईसीई के तौर-तरीकों पर नए सिरों से सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी से लेकर सीनेटर चक शुमर तक ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। आईसीई, जो कि अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के तहत 2003 में स्थापित एक केंद्रीय एजेंसी है, का मुख्य कार्य अमेरिका के इमिग्रेशन कानूनों को लागू करना और गैरकानूनी रूप से रह रहे लोगों को हिरासत में लेना है। अधिकारियों के मुताबिक, आईसीई एजेंट गुरुवार शाम करीब 4 बजे ब्रॉक्स के मार्बल हिल इलाके में एक डोमिनिकन रिपब्लिक के 28 वर्षीय नागरिक को गिरफ्तार करने पहुंचे थे। इस व्यक्ति का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और उस पर ट्रिनिटारियोस गैंग से संबंध होने का भी आरोप है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएफएस) का कहना है कि इसी कार्रवाई के दौरान एक एजेंट ने गोली चलाई, जिससे वह व्यक्ति घायल हो गया। घटना के दौरान दो एजेंट भी घायल हुए, जिनमें से एक को कार दुर्घटना में चोट लगने की आशंका है। मौके पर मौजूद लोगों ने पांच से छह गोलियों की आवाज सुनने और चौंखने-खिल्लाने की बातें कही हैं। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि उसके अधिकारी इस कार्रवाई में शामिल नहीं थे। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने इस घटना को बेहद गंभीर बताते हुए राष्ट्रपति ट्रंप से शहर में आईसीई की सभी इमिग्रेशन कार्रवाइयां रोकने की मांग की है।

अंकुश लगाए, ताकि भविष्य में ऐसी भयावह घटनाओं को रोका जा सके।

मनमोहक गार्डन



दुबई में लोग घूमने के लिए मिलेकल गार्डन पहुंचे। इसमें कई प्रकार की मनमोहक आकृतियां बनी हुई हैं जो पर्यटकों का मन मोह रही हैं। इस गार्डन को आजकल घूमने के लिए काफी पसंद किया जा रहा है।

नेपाल में निलंबित सशस्त्र पुलिस के अतिरिक्त महानिरीक्षक की बर्खास्तगी की सिफारिश

काठमांडू

नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के अतिरिक्त महानिरीक्षक (एआईजी) वंशी राज दाहाल के खिलाफ जांच समिति ने पद के आचरण के विपरीत गतिविधियों में शामिल होने का निष्कर्ष निकाला है। समिति ने शुक्रवार को गृहमंत्री सुदन गुरुंग को अपनी जांच रिपोर्ट सौंपते हुए सशस्त्र पुलिस नियमावली के तहत बर्खास्तगी तक की कार्रवाई की सिफारिश की है।

दाहाल पर पूर्व प्रधान न्यायाधीश चोलेन्द्र शमशेर राणा का करीबी बताए जाने वाले बिचौलिये इनाम सापकोटा को राज्य से जुड़ी कुछ संवेदनशील सूचनाएं लीक करने का आरोप है। इसी मामले में गृह मंत्रालय ने पिछले सोमवार को उन्हें निलंबित कर जांच शुरू की थी। सशस्त्र

पुलिस बल के एआईजी अञ्जनी कुमार पोखरेल को एक सदस्यीय जांच समिति ने गुरुवार को रिपोर्ट सौंपी।

रिपोर्ट में दाहाल का बयान भी शामिल है, जिसमें उन्होंने सापकोटा के साथ बातचीत होने की बात स्वीकार की है। सापकोटा फिलहाल काठमांडू परिसर की हिरासत में हैं। जांच के दौरान पुलिस ने दोनों के बीच हुई बातचीत को भी रिपोर्ट में शामिल किया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार, दाहाल के खिलाफ गंभीर विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की गई है। मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया, 'किस तरह की कार्रवाई

की जाए, यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है। हालांकि, आचरण संबंधी नियमों के उल्लंघन पर बर्खास्तगी तक का प्रावधान होने के कारण उसी के अनुरूप कार्रवाई की सिफारिश की गई है।'

गृह मंत्रालय शुक्रवार को दाहाल से स्पष्टीकरण मांगकर विभागीय कार्रवाई

की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। सशस्त्र पुलिस नियमावली के तहत उनके खिलाफ किस प्रकार की कार्रवाई की जाए, इसका अधिकार गृह मंत्री को दिया गया है 27 सितंबर को काठमांडू क्राइम ब्रांच की पुलिस ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश चोलेन्द्र शमशेर राणा को हिरासत में लेकर जांच की थी। इसके बाद एआईजी



दाहाल ने सापकोटा के माध्यम से राणा को विभिन्न सूचनाएं भेजी थीं। राणा उनके रिश्तेदार हैं। सरकार ने निष्कर्ष निकाला कि अपने रिश्तेदार की मदद करने के लिए दाहाल ने राज्य के साथ विश्वासघात किया। इसके बाद उन्हें तत्काल निलंबित कर मामले की जांच शुरू की गई। दाहाल के खिलाफ सशस्त्र पुलिस नियमावली के नियम 113 के तहत कार्रवाई होने की संभावना है। इस नियम में सेवा से हटाने और बर्खास्त करने का प्रावधान है। वहीं, नियम 115 के अनुसार, एआईजी को विभागीय सजा देने का अधिकार गृह मंत्री को है। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल में पहली बार किसी एआईजी के खिलाफ गृह मंत्री के स्तर से विभागीय कार्रवाई किए जाने की प्रक्रिया शुरू हुई है।

नेपाल में सरकारी शिक्षकों को वाहन खरीदने पर सरकार चुकाएगी 80% किस्तों का ब्याज

काठमांडू। नेपाल के शिक्षा मंत्रालय ने सरकारी शिक्षकों को वाहन खरीदने के लिए ब्याज में राहत देने के प्रावधान सहित शिक्षा (11वां संशोधन) नियमावली को सहमति के लिए वित्त मंत्रालय के पास भेजा है। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार, माध्यमिक स्तर के प्रथम श्रेणी के शिक्षक 50 लाख नेपाली रुपये तक और द्वितीय श्रेणी के शिक्षक 40 लाख नेपाली रुपये तक का वाहन खरीद सकते हैं। इसी तरह, माध्यमिक स्तर के तृतीय श्रेणी, निम्न माध्यमिक और प्राथमिक स्तर के सभी श्रेणियों के शिक्षक 4 लाख नेपाली रुपये तक का दोपहिया वाहन खरीद सकेंगे। नियमावली में प्रावधान किया गया है कि बैंक के माध्यम से वाहन खरीदने के लिए मिलने वाले वित्तीय ऋण पर लागत राशि के 80 प्रतिशत तक की किस्तों का ब्याज नेपाल सरकार सब्सिडी के रूप में वहन करेगी। शिक्षकों को शेष 20 प्रतिशत राशि की व्याख्या स्वयं करनी होगी। इसके बाद वे वाहन खरीद सकेंगे। प्रस्ताव के अनुसार, शिक्षक के सेवा में कार्यरत रहने की अवधि तक संबंधित बैंक द्वारा निर्धारित किस्तों का ब्याज सरकार वहन करेगी।

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को आईएमएफ देगा 1.21 अरब डॉलर की मदद

दोनों के बीच अतिरिक्त वित्तीय सहायता को लेकर स्टाफ-लेवल हुआ समझौता

इस्लामाबाद

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के बीच करीब 1.21 अरब डॉलर की अतिरिक्त वित्तीय सहायता को लेकर स्टाफ-लेवल समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत पाकिस्तान को करीब 1 अरब डॉलर उसके आर्थिक सुधार कार्यक्रम के तहत और करीब 21 करोड़ डॉलर आर्थिक और जलवायु संबंधी मजबूती के कार्यक्रम के तहत मिल सकते हैं। इसके बाद दोनों कार्यक्रमों के तहत पाकिस्तान को मिलने वाली कुल राशि करीब 5.7 अरब डॉलर हो जाएगी। आईएमएफ के मुताबिक



पाकिस्तान को अर्थव्यवस्था में थोरे-थोरे सुधार के संकेत दिख रहे हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक विकास दर करीब 3.6 फीसदी रहने का अनुमान है। महंगाई में भी मई के ऊंचे स्तर के बाद कमी आई है और सितंबर में यह करीब 10.3 फीसदी रही।

विदेशों में काम कर रहे पाकिस्तानियों से आने वाली रकम यानी रैमिटेंस ने भी अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है। सितंबर के अंत तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार

बढ़कर करीब 21.5 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ का कहना है कि पाकिस्तान की क्रेडिट रेटिंग में सुधार और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों तक दोबारा पहुंच बनना सकारात्मक संकेत हैं।

राहत के साथ ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को कई गंभीर मोर्चों पर चेतावनी भी दी है। संस्था के मुताबिक भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की महंगी कीमतें, वैश्विक वित्तीय परिस्थितियां और व्यापार में रुकावटें आर्थिक सुधार को राह

में खतरा बनी हुई हैं। आईएमएफ ने पाकिस्तान से वित्तीय अनुशासन बनाए रखने और टेक्स व्यवस्था को मजबूत करने को कहा है। इसके अलावा, सरकारी खर्च, खरीद व्यवस्था और नकदी प्रबंधन को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया है, ताकि सरकार पर कर्ज का बोझ और ब्याज भुगतान का दबाव कम हो।

पाकिस्तान के ऊर्जा क्षेत्र में सुधार को आईएमएफ ने अहम प्राथमिकता बताया है, जिसमें बिजली की दरों में समय पर बदलाव, वितरण व्यवस्था में सुधार और बिजली क्षेत्र के बढ़ते कर्ज को नियंत्रित करने की सलाह शामिल है।

वहीं, स्वास्थ्य और शिक्षा पर सरकारी खर्च बढ़ाने को सकारात्मक कदम माना गया है, लेकिन आईएमएफ ने महंगी फ्यूल सब्सिडी योजना को जल्द खत्म करने की सलाह दी है। आईएमएफ की यह नई वित्तीय मदद पाकिस्तान को सहारा दे सकती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ



आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफी वक़्त देंगे। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। आज आप अपने जीवनसाथी को सप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक़्त बिता सकते हैं। शारीरगत जिन्दगी के भोग पर हालात बाकई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुघरते हालात महसूस कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो



कक्षाक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अलबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तज़रबीन पक़ड़ा है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तज़रबी है। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप बाकई उनका ख़याल रखते हैं। करीअर में तरक्की के लिए नयी क्षमताएं विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कु,घ,छ,छे,को,ह



भाग्यमग्न भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। आर्थिक रूप से आज आप काफी मजबूत नज़र आएंगे, अपने प्रिय के बिना समय बिताने में निश्चय महसूस करेंगे। आपको ऐसी परिचोजनाओं पर काम करना चाहिए, जो आपके चलकर मुनाफ़ा दें। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाक़ात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनावनी मुश्किल है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जायेंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,खू,डे,डो



आपका दमनीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अन्याय, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़ोर आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। आपका मज़ाबिका स्वाभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज आप अपने किसी वाने को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज़ हो जाएगा। जो कला और संगीत आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे



आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे—आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आज अवसर लेते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाराज़ और नाराज़ हो सकते हैं। आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,घ,ण,ट,पे,पो



ध्यान से सुकून मिलेगा। आज आपको अपनी सतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नज़र आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हालाँकि वक़्तों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। दूसरे आपसे काफी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। रात के समय आज घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते



आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा दिन नहीं है और आप छोटी-छोटी बातों पर झुझाएंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। नई परियोजनाओं को आरंभ करने के लिए शुभ दिन है। अपनी बातचीत में मौलिकता रखें, क्योंकि किसी भी तरह का वनाकटीयम आपको फ़ायदा नहीं पहुँचाएगा। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई वाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें सभाल लेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू



आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियों दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। यदि कोई समस्या है तो उसे दली नहीं, बल्कि जल्दी-से-जल्दी उसका समाधान ढूँढने की कोशिश करें। इस समय का उपयोग अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

धनु – ये,यो,म,मी,भू,घा,फा,भा,मे



कोई आपका मूड ख़राब कर सकता है, लेकिन ऐसी चीज़ों को खुद को कानून न करने दें। लचका से जुड़ी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। अगर आपको धन संयंत्र करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक भावों पर विचार करने में कोई जुड़ाई नहीं है। साड़ीदार से संवाद कायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

मकर – मो,ज,ज़ी,खि,खू,खे,खो,ग,गि



आज आपको अपनी सतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नज़र आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। कुछ लोगों के लिए—परिवार में किसी नए का आना ज़रूर और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफी निराशाजनक हो सकता है। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द



आज का बोझ आज कुछ तनाव और खींच की वजह बन सकता है। पैसा अचानक आपके पास आएगा यह न केवल आपके मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। भावनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। आप कामयाबी जरूर हासिल करेंगे—बस एक-एक करके महत्वपूर्ण कदम उठाने की ज़रूरत है। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनीयता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक़्त ही ज़ाबा करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,अ,दे,दो,चा,ची



बंकार की बात पर बहस करके अपनी ऊर्जा ज़ाया न करें। याद रखें कि वाद-विवाद से कुछ भी हासिल नहीं होता, लेकिन खोला ज़रूर है। संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फँसने से सावधान रहें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। नयी साड़ीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 अक्टूबर 2026 , शनिवार

विक्रम संवत : 2083

मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष

तिथि : अमावस्या राशि 09:20 तक

नक्षत्र : हस्त राशि 09:42 तक

योग : ऐन्द्र राशि 10:01 तक

करण : चतुष्पाद प्रातः 09:25 तक

चन्द्रराशि : कन्या

सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:57 (हैदराबाद)

सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:03 (बैंगलोर)

सूर्योदय : 06:02 सूर्यास्त 05:55 (त्रिपुलि)

सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 05:49 (विजयवाड़ा)

शुभ घण्टिका

शुभ : 07:30 से 09:00

ख़ल : 12:00 से 01:30

लाभ : 01:30 से 03:00

अशुभ : 03:00 से 04:30

सहकाल : प्रातः 09:00 से 10:30

दिनांक : पूर्ण दिन

उपरा : उदय शकल राशि का आरंभ करें

दिन विधि : देव-विष्णुकरां सर्वोपरि आराधना ,शब्र,शक्रका वीर , चित्रा में रवि 02:00 से , रवि अमाव्या

* पाण्डित्य विधि में समर्पक करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्ड महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान,

भागवत कथा एवं मूल पारायण,

वास्तुशान्ति, गृहप्रेषण,शतचंडी, विवाह,

कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष

सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं

फकाड़ का मन्दिर, रिकारंगज,

हैदराबाद, (तेलंगाना)

9246159232, 9866165126

chidamber011@gmail.com

बायोएग्री-2026 पुरस्कारों में जैविक कृषि की महिला नेताओं, वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों को सम्मान

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के प्रमुख सरस्टेनबल बायोलॉजिकल एग्रीकल्चर सम्मेलन बायोएग्री-2026 के समापन पर रामोजी फिल्म सिटी में बायोएग्री-2026 पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान जैविक कृषि क्षेत्र की महिला नेताओं, वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों को सम्मानित किया गया।

समारोह की मुख्य विशेषता बायोलॉजिकल एग्रीकल्चर क्षेत्र की तीन महिला कॉर्पोरेट नेताओं को बीआईपीए बायो-एग वुमन लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड्स 2026 प्रदान करना रही। पुरस्कार विजेता हैं डॉ. संदीपा कनितकर (एमडी, कैनबायोसिस प्राइवेट लिमिटेड), सुशी सुधा रेड्डी



(एमडी, केएन बायोसाइंसेज) और सुशी लक्ष्मी नारायणन (होल-टाइम डायरेक्टर, टी-स्टेन्स एंड कंपनी लिमिटेड)।

यह सम्मान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कृषि क्षेत्र में महिलाएं किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाती हैं, लेकिन एग्री-बिजनेस के वरिष्ठ प्रबंधन और बोर्ड रूम में उनकी उपस्थिति अभी भी कम दिखाई देती है। इन पुरस्कारों से कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में

बायोलॉजिकल प्रोडक्ट / टेक्नोलॉजी इनोवेशन अवार्ड 2026 फर्टिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को मिला। बीआईपीए एक्सीलेंस इन मार्केट आउटरीच अवार्ड 2026 बायोफैक्टर इनपुट्स प्राइवेट लिमिटेड को जैविक कृषि समाधानों को बाजार तक पहुंचाने में उत्कृष्टता के लिए दिया गया। कीट फेरोमोन क्षेत्र में उत्कृष्टता और आजीवन योगदान के लिए डॉ. पी. लक्ष्मीनारायण (एमडी, एगबायो सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड) को एक्सीलेंस एंड लाइफटाइम कमिमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

ये पुरस्कार शैक्षणिक, वैज्ञानिक, स्टार्टअप और कॉर्पोरेट क्षेत्रों की उपलब्धियों को एक साथ लाते हैं।

‘हाईलाइफ ब्राइड्स’ प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ



हैदराबाद, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश की बहुप्रतीक्षित विवाह, दुल्हन परिधान, आभूषण, उत्सवी खरीदारी और डिजाइनर उत्पादों की प्रदर्शनियों में शामिल ‘हाईलाइफ ब्राइड्स’ के हैदराबाद संस्करण का भव्य शुभारंभ हुआ। यह प्रदर्शनी 11 अक्टूबर, 2026 तक हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी, नोवोटेल् में आयोजित की जा रही है। देशभर के 350 से अधिक डिजाइनरों के चुनिंदा और आकर्षक डिजाइनों से सजी इस प्रदर्शनी में विवाह एवं दुल्हन की खरीदारी के लिए विशेष संग्रह प्रस्तुत किए गए हैं। जिस प्रकार गंतव्य विवाह एक विशेष अनुभव होता है, उसी प्रकार ‘हाईलाइफ ब्राइड्स’ आभूषणों, डिजाइनर परिधानों, वस्त्रों, सहायक फैशन उत्पादों, जूतों और अन्य वस्तुओं की खरीदारी का एक विशेष अनुभव प्रदान कर रही है। ‘हाईलाइफ ब्राइड्स’ प्रदर्शनी के भव्य शुभारंभ अवसर पर अभिनेत्री तेजस्वी

मादीवाड़ा, अभिनेत्री ऋतु चौधरी, शीर्ष मॉडल, फैशन प्रेमी और फैशन जगत से जुड़े अनेक उत्साही लोगों ने भाग लिया। देश के सबसे लोकप्रिय और पसंदीदा प्रदर्शनी आयोजकों में शामिल ‘हाईलाइफ एग्जिबिशन’ विवाह का विशेष माहौल लेकर आई है। यह प्रदर्शनी उन दुल्हनों, भावी दुल्हनों और परिवारों के लिए विशेष रूप से आयोजित की गई है, जो विवाह के लिए अनूठे और विशिष्ट उत्पादों की खरीदारी करना चाहते हैं। इसी उद्देश्य से ‘हाईलाइफ ब्राइड्स’ प्रदर्शनी का आयोजन 11 अक्टूबर, 2026 तक एचआईसीसी, नोवोटेल्, हैदराबाद में किया जा रहा है। इस अवसर पर हाईलाइफ एग्जिबिशन के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा ‘हाईलाइफ ब्राइड्स’ के मुख्य आयोजक श्री एबी. पी. डोमिनिक ने कहा कि ‘हाईलाइफ ब्राइड्स’ अपने तरह की अनूठी और सबसे बड़ी प्रदर्शनियों में से एक

है। इसमें विवाह एवं दुल्हन की ज़रूरतों से जुड़ी वस्तुओं के साथ-साथ नवीनतम फैशन, डिजाइनर परिधान, आभूषण, विवाह के विशेष आभूषण, फैशन ब्रांडों और जीवनशैली से संबंधित उत्पादों का विशेष प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ‘हाईलाइफ ब्राइड्स’ में दुल्हन के परिधानों के डिजाइनरों, प्रमुख आभूषण विक्रेताओं, फैशन ब्रांडों और विवाह संबंधी आवश्यक वस्तुओं के लिए विशेष क्षेत्र तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, फैशन एवं जीवनशैली से जुड़े डिजाइनरों के लिए भी अलग से विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया गया है। तीन दिवसीय ‘हाईलाइफ ब्राइड्स’ प्रदर्शनी में विवाह के परिधान, दुल्हन के विशेष वस्त्र, फैशन, आभूषण और जीवनशैली से संबंधित उत्पादों का विशेष संग्रह प्रस्तुत किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 11 अक्टूबर, 2026 तक एचआईसीसी, नोवोटेल्, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में जारी रहेगी।

अन्नसेवा मानवता की सच्ची आराधना : जयप्रकाश सारड़ा

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को ईंडो अमेरिकन कैंसर हास्पिटल के सामने केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ ज़रूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जयप्रकाश सारड़ा ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन कराने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता के प्रति संवेदना, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का



श्रेष्ठ अवसर है।

उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे सेवा कार्यों की आवश्यकता है, जो ज़रूरतमंदों के जीवन में राहत और चेहरे पर मुस्कान ला सकें।

भूखे को भोजन कराना, असहाय व्यक्ति की सहायता करना और ज़रूरतमंदों के प्रति संवेदनशील रहना ही सच्चे मानवीय संस्कारों की पहचान है। सेवा का

वास्तविक महत्व तभी है, जब उसे बिना किसी स्वार्थ, भेदभाव और दिखावे के किया जाए। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति दूसरों के दुख-दर्द को समझते हुए सहयोग के लिए आगे आएगा, तभी सामाजिक एकता और मानवीय मूल्यों को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता एवं जयप्रकाश सारड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए अन्नदान के इस पुनीत अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

SHE POWER महिला सुरक्षा बाइक रैली में भारत, नेपाल और भूटान की महिला राइडर्स जुटेंगी

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर डक एंजथैपट फाउंडेशन 11 अक्टूबर 2026 को हैदराबाद में महिला सुरक्षा बाइक रैली का आयोजन कर रहा है। इस रैली में भारत के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ नेपाल और भूटान सीमा क्षेत्रों की महिला बाइकर्स, साइकिलिस्ट्स, महिला पुलिस राइडर्स और मोटरसाइकिल कम्युनिटीज शामिल होंगी। रैली को तेलंगाना पर्यटन विभाग का समर्थन प्राप्त है। इसका फ्लैग-ऑफ माननीय तेलंगाना पर्यटन मंत्री श्री जुपल्ली कृष्ण राव करेंगे। रैली जल विहार, हैदराबाद से सुबह 7 बजे शुरू होगी। कोलकाता, मुंबई, दिल्ली



सहित देश के कई शहरों से महिला राइडर्स हैदराबाद पहुंच रही हैं। नेपाल और भूटान सीमा क्षेत्रों से भी प्रतिभागी जुड़ रहे हैं। कई राइडर्स ने अपनी यात्रा और टिकट की पुष्टि कर दी है। बाइक राही, शेमोटो और अन्य

अभियान के समर्थन में शामिल होंगी। यह रैली केवल बाइक रैली नहीं, बल्कि एक मजबूत संदेश हैलड़कियों की सुरक्षा के लिए परिवार, समुदाय, संस्थान, पुलिस, सरकार और समाज को एक साथ आना होगा।

श्रम बल सर्वेक्षण में सहयोग करें, सही जानकारी दें : नगर आयुक्त

पेदापल्ली, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के तत्वावधान में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण-2026 कराया जा रहा है। सांख्यिकी विभाग के अधिकारी गुरुम शीनिवास गौड़ ने बताया कि सर्वेक्षण का उद्देश्य रोजगार, बेरोजगारी, श्रम बल में भागीदारी और स्वरोजगार से संबंधित विश्वसनीय आंकड़े जुटाना है। इस अवसर पर नगर आयुक्त अरुणा शीनु ने सर्वेक्षण पुस्तिकाएं वितरित कर इसके महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चयनित परिवारों से तीन महीने तक हर महीने संपर्क कर मोबाइल टैब के माध्यम से जानकारी एकत्र की जाएगी। सभी सूचनाएं गोपनीय रखी जाएंगी और उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए होगा। उन्होंने नागरिकों से सर्वेक्षण कर्मचारियों को सही जानकारी देकर सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद बोरिगे स्वप्ना प्रिया भरत गौड़, वार्ड अधिकारी राजेश, सहायक वार्ड अधिकारी महेश, एमडीएएफ कर्मचारी आरपी धनलक्ष्मी सहित नगर निगम के कर्मचारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।



ट्रिनिटी शिक्षण संस्थानों में धूमधाम से मनाया बतुकम्मा उत्सव

पेदापल्ली, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं के प्रतीक बतुकम्मा उत्सव के अवसर पर पेदापल्ली स्थित ट्रिनिटी बी.एड. कॉलेज और करीमनगर स्थित ट्रिनिटी सीबीएसई स्कूल में भव्य समारोह आयोजित किए गए। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. दासारी ममता रेड्डी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि बतुकम्मा तेलंगाना की महिलाओं के आत्मसम्मान का प्रतीक है और फूलों की पूजा पर आधारित विशिष्ट त्योहार है। संस्कृति और परंपराओं को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में बतुकम्मा गीत गाए तथा रंग-बिरंगे फूलों से सजी बतुकम्मा के चारों ओर नृत्य किया। विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में ट्रिनिटी शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, संकाय सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दुर्गाम्मा उत्सव पर कड़ी सुरक्षा के निर्देश

पेदापल्ली, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने शुक्रवार को गोदावरीखानी द्वितीय टाउन पुलिस थाने का वार्षिक निरीक्षण कर अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों और पुलिस कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने आगामी दुर्गाम्मा उत्सव एवं जु-लूसां के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रखने, यातायात सुचारु रखने, रात्रि गश्त बढ़ाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों को खिलफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने खुली खदानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पर ध्यान देने तथा जनता की शिकायतों का तत्काल समाधान करने पर भी जोर दिया।



मंचेरियल में दुर्गा नवरात्रि महोत्सव कल से

मंचेरियल, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल के चेन्नू रोड स्थित श्री मां जगंदा मंदिर में 11 अक्टूबर से श्री दुर्गा नवरात्रि महोत्सव शुरू होगा। आयोजक दिलीप कुमार अग्रवाल ने बताया कि रविवार सुबह 11:41 बजे मां दुर्गा की मूर्ति स्थापना तथा दोपहर 12:31 बजे आरती होगी। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन शाम 7:01 से रात 9 बजे तक महिलाओं के लिए भजन एवं डांडिया कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 18 अक्टूबर को रात 10:01 बजे विशाल जागरण और छप्पन भोग तथा 19 अक्टूबर को सुबह हवन और दोपहर 2:31 बजे विसर्जन कार्यक्रम होगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित शामिल होकर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

दुर्गामाता के आगमन उत्सव में शामिल हुई सुरेखम्मा

मंचेरियल, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल नगर निगम के 32वें डिवीजन रामनगर स्थित सीसीसी कॉर्नर पर श्री वीरान्जनेय स्वामी मंदिर कमेटी के तत्वावधान में दुर्गामाता नवरात्रि उत्सव के अंतर्गत भव्य आगमन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष कोकिला सुरेखा प्रेम सागर राव ने दुर्गामाता की प्रतिमा का अनावरण कर विशेष पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में नगर निगम मेयर धरनी मधुकर, डिप्टी मेयर सद्गा रम्या-महेश, महिला कांग्रेस अध्यक्ष गजला हेमलता, पार्षद, कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजकों ने सुरेखम्मा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

नवरात्रि उत्सव प्रचार सामग्री जारी



बांसवाड़ा, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा शहर के कोटागली स्थित श्री कोटा दुर्गाम्मा मंदिर में देवी शराणु नवरात्रि उत्सव के उपलक्ष्य में शुक्रवार को श्री श्री श्री परमहंस परिव्राजकाचार्य सुदर्शन आश्रम के दंडी स्वामीजी ने उत्सव की प्रचार सामग्री जारी की। इस अवसर पर मंदिर के प्रतिनिधि एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर आबकारी विभाग की सघन जांच

मदनूर, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल के सलाबतपुर स्थित तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर आबकारी विभाग के अधिकारियों ने वाहनों की सघन जांच की। जिला आबकारी अधिकारी मुकुंद रेड्डी के निर्देश पर डीटीएफ निरीक्षक श्रीनिवासुलु और चेकपोस्ट निरीक्षक मोहम्मद अकबर हसन ने जांच अभियान में भाग लिया। अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब, गांजा और अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। अवैध शराब की बिक्री और मिलावटी टॉफी के निर्माण एवं बिक्री पर भी निगरानी रखी जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



सर्वपितृ अमावस्या और शनिश्चरी अमावस्या

आज

**सर्व पितृ अमावस्या पर श्रद्धा और विश्वास के साथ दे पितरों को विदाई
सर्वपितृ श्राद्ध के साथ समाप्त होगा पितृपक्ष**

10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या और शनिश्चरी अमावस्या का संयोग

श्राद्ध पक्ष चल रहे है और अब सभी को सर्वपितृ अमावस्या का इंतजार है। उस दिन जात-अजात पितरों का श्राद्ध किया जाता है। इस बार सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को है। इसे आश्विन अमावस्या, बड़मावस और दर्श अमावस्या भी कहा जाता है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्वपितृ अमावस्या कहा जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस समय पितरों को वे पितृपक्ष चल रहा है। पितृपक्ष 10 अक्टूबर तक रहेगा। सर्व पितृ अमावस्या श्राद्ध पक्ष का अंतिम दिन होता है। यह पितरों की विदाई का दिन होता है। इसे पितृ विसर्जन अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।

सर्व पितृ अमावस्या तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह की अमावस्या तिथि इस बार 9 अक्टूबर की रात 09:35 बजे से शुरू होकर 10 अक्टूबर की रात 9:19 बजे तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह समय पितरों की याद में किए जाने वाले श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के लिए बेहद शुभ माना जाता है।

ऐसे करें पितरों का तर्पण

सर्व पितृ अमावस्या के दिन सुबह जल्दी स्नान करके स्वच्छ कपड़े पहनकर पितरों को श्राद्ध दें। अपने परिजनों का पिंडदान या तर्पण जैसा अनुष्ठान किया जाता है इसमें परिवार के बड़े सदस्यों को करना चाहिए। पितरों को तर्पण के दौरान जौ के आटे, तिल और चावल से बने पिंड अर्पण करना चाहिए।

अर्पित करें भोजन

सर्व पितृ अमावस्या के दिन बने भोजन को सबसे पहले कौवे, गाय और कुत्तों को अर्पित करना चाहिए। मान्यता है पितरदेव ये रूप धारण कर भोज करने आते हैं। कौए को यम का दूत माना जाता है।

पीपल के पेड़ के नीचे जलाएं दीपक

पितृ मोक्ष अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर पितरों के निमित्त घर बना मिष्ठान व शुद्ध जल की मटकी पीपल के पेड़ के नीचे अपने पितरों के निमित्त रखकर वहां दीपक जलाना चाहिए।

ब्राह्मणों को दान-दक्षिणा

इस दिन ब्राह्मणों को भोजन और दान-दक्षिणा के साथ अनि और गुरुनन्द पुराण का पाठ करवाना चाहिए और पितृपक्ष से संबंधित मंत्रों का जाप करना चाहिए।

जलाएं चौमुखा दीप

मोक्ष अमावस्या के दिन अपने पितरों के लिए चौमुखा दीपक रखें। यह दीपक सूर्यास्त के बाद घर की छत पर रखें और ध्यान रखें कि आपका मुख दक्षिण दिशा में हो।

देशी घी का दीपक

सर्व पितृ अमावस्या के दिन शाम के समय घर के ईशान कोण में पूजा वाले स्थान पर गाय के घी का दीपक जलाएं। ऐसा करने से आपको सभी सुखों की प्राप्ति होगी।

मछलियों को खिलाएं

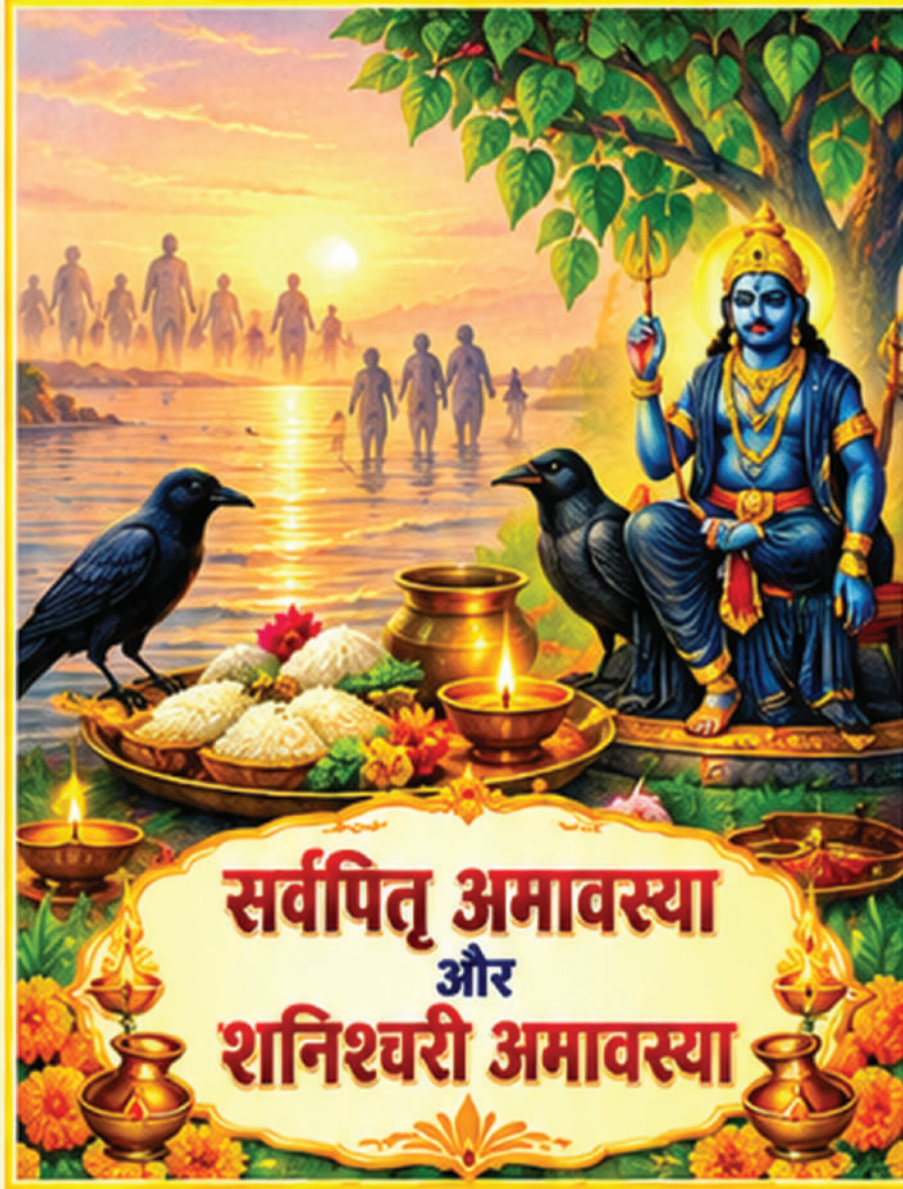
सर्व पितृ अमावस्या के दिन आटे की गोलियां बनाकर किसी तालाब या नदी के किनारे जाकर ये आटे की गोलियां मछलियों को खिला दें। ऐसा करने से करने से आपकी सभी परेशानियों का अंत होगा।

चींटियों को खिलाएं

सर्व पितृ अमावस्या पर काली चींटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपको सभी पापों से मुक्ति मिलेगी।

सर्व पितृ अमावस्या की पौराणिक कथा

श्रेष्ठ पितृ अनिच्छा और बहिष्कार की मानसी कन्या अक्षोदा घोर तपस्या कर रही थी। उनकी तपस्या के तेज से पितृ लोक भी प्रभावित होने लगा और सभी श्रेष्ठ पितृगण अक्षोदा को वरदान देने के लिए एकत्र हुए। इसके बाद अक्षोदा के तपस्या से पितरों ने उसे वरदान दिया। लेकिन अक्षोदा ने पितरों की तरफ ध्यान नहीं दिया। बाद में उसने कहा कि वह इसी समय उनके साथ आनंद चाहती है। क्षुब्ध होकर सभी पितरों ने उसे श्राप दिया कि वह पितृ लोक से पतित होकर पृथ्वी लोक पर जाएगी। बाद में पितरों ने दया कर उसे मछली कन्या के रूप में जन्म लेने का वरदान दिया। अंत में अमावस्या के नाम से यह तिथि जानी जाएगी और जो भी इस तिथि पर श्राद्ध और तर्पण करेगा, उसे सभी तिथियों का फल प्राप्त होगा।



**सर्वपितृ अमावस्या
और
शनिश्चरी अमावस्या**

सर्व पितृ अमावस्या का महत्व

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या का खास महत्व होता है। यही वो दिन होता है जब पूरे पितृपक्ष में जिन पूर्वजों का श्राद्ध किसी कारणवश नहीं हो पाया हो, उनका तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध करके उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। मान्यता है कि इस दिन पितृलोक से आए हुए सभी पितरों अपने-अपने श्राद्ध की प्रतीक्षा करते हैं और इस दिन विधिपूर्वक किए गए कर्मों से तृप्त होकर वापस अपने लोक लौट जाते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह की अमावस्या तिथि इस बार 9 अक्टूबर की रात 09:35 बजे से शुरू होकर 10 अक्टूबर की रात 9:19 बजे तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह समय पितरों की याद में किए जाने वाले श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के लिए बेहद शुभ माना जाता है।

इस दिन को कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए किया गया तर्पण उन्हें मोक्ष प्रदान करता है।

10 अक्टूबर के दिन सर्व पितृ अमावस्या है। हिन्दू पंचांग के अनुसार आश्विन मास की अमावस्या पितृ अमावस्या कहलाती है। यह अमावस्या पितरों के लिए मोक्षदायनी अमावस्या मानी जाती है। पितृपक्ष में सर्व पितृ अमावस्या को सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन श्राद्ध पक्ष का समापन होता है और पितृ लोक से आए हुए पितृजन अपने लोक लौट जाते हैं। पितृ विसर्जन अमावस्या के दिन ब्राह्मण भोजन तथा दान आदि से पितृजन तृप्त होते हैं और जाते समय अपने पुत्र, पौत्रों और परिवार को आशीर्वाद देकर जाते हैं।

इस बार अमावस्या शनिवार को होने से शनिश्चरी अमावस्या का संयोग भी बन रहा है। करीब तीन साल बाद एक साथ बने इस संयोग को धार्मिक दृष्टि से विशेष माना जा रहा है। इससे पहले 14 अक्टूबर 2023 को भी ऐसा संयोग बना था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृपक्ष में पितरों का स्मरण, तर्पण और श्राद्ध करने का विशेष महत्व है। पूर्वजों की मृत्यु तिथि जात नहीं होने या निर्धारित तिथि पर श्राद्ध नहीं हो पाने की स्थिति में सर्वपितृ अमावस्या पर श्राद्ध करने की परंपरा है।

ऐसे करें पितृ कार्य

- पहले स्नान, फिर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध करें।
- ब्राह्मण भोजन व दान-दक्षिणा दें।
- कौवे, गाय और कुत्तों को भोजन अर्पित करें।
- पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाएं।
- जरूरतमंदों को अन्न-वस्त्र का दान करें।
- श्रद्धा और विश्वास से पितरों को विदाई दें।

शनि अमावस्या का भी विशेष दिन

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि शनिश्चरी अमावस्या वर्ष में बनने वाले विशेष संयोगों में मानी जाती है। इस दिन शनिदेव की पूजा, तिल के तेल का दीपक अर्पित करने तथा काले तिल, उड़द, वस्त्र और अन्न का दान करने की परंपरा है। मान्यता है कि श्रद्धा और संयम के साथ शनि उपासना करने से साढ़े साती, हैया और शनि संबंधी कष्टों में राहत मिलती है।

शनिश्चरी अमावस्या के दिन स्नान और दान करने से अति लाभदायी फल प्राप्त होता है और धन की वृद्धि होती है। पितरों के निमित्त श्राद्ध और तर्पण करने से पितर प्रसन्न होते हैं और वे मान सम्मान व धन वैभव की प्राप्ति का आशीर्वाद देते हैं। पितृ दोष से मुक्ति के लिए आप अक्षत और दूध की खीर बनाएं। इसे जलते हुए गोबर के उपले पर पितरों के निमित्त भोग लगाएं। पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। स्नान के बाद गरीब और जरूरत मंद लोगों को दान देना उत्तम फलदायी होता है।



डॉ. अनीष व्यास

ज्योतिषाचार्य, पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान
जयपुर - जोधपुर



आसुरी प्रवृत्तियों पर विजय ही नवरात्र

नवरात्र का पर्व भानत में बड़े धूमधाम और ठर्रोल्लान्न के आथ मनाया जाता है। यठ ठिन्दुओं का एक प्रमुनव पर्व है। इन्न पर्व में मंदिनों और पंडालों में माँ दुर्गा की प्रतिमाएं न्थापित की जाती हैं। सही अर्थों में नवरात्र का पर्व आन्मुनी प्रवृत्तियों पन विजय का पर्व है। सर्वप्रथम भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीनाम ने नावण विजय के लिए इन्न शानदीय नवरात्र की पूजा का श्रीगणेश समुद्र तट पन किया था। इन्नी तनठ मां आदी शक्ति ने मठिषान्मुन को भी नवरात्रों में माना था। इसलिए इन्ने आन्मुनी शक्तियों पन विजय का प्रतीक माना जाता है।

आदि शक्ति की आराधना का श्रीगणेश

शक्ति उपासना का इतिहास बहुत प्राचीन है। आदिकाल से मानव ने सृष्टि की नियामिका शक्ति को स्वीकार किया है। आदिग्रन्थ वेद इसके प्रमाण हैं। आद्यग्रन्थ ऋग्वेद में जहां एक ओर परमतत्व के पुरुष रूप की उपासना की गई है, वहीं दूसरी ओर उसके स्त्रीलिंग की उपासना भी मिलती है। शक्ति उपासना का मूल आधार आद्यग्रन्थ ऋग्वेद की छावा पृथ्वी की कल्पना है, जिसमें पृथ्वी स्त्री मानी गई है और आकाश पुरुष। इन दोनों के तादात्म्य की चर्चा ऋग्वेद में अनेक बार की गई है। युग्म रूप में इनका अनेक सूत्रों में आह्वान हुआ है, जिनमें इन्हें माता-पिता कहा गया है। मनु ने सहस्र पिताओं की तुलना में एक माता के गौरव को अधिक स्वीकार किया है। इसी भावना से प्रेरित होकर ऋग्वैदिक काल में देवताओं की पूजा के साथ-साथ देवियों की पूजा के संकेत भी मिलते हैं। ऋग्वेद में पृथ्वी, रात्रि, वाक, सरस्वती, पुरंधि, धिष्णा, इडा, वृहद्विवा, राका, सिनीवाली, पृश्नि, सरण्यु, इन्द्राणी, वरुणानी, अगनायी, रुद्राणी, अश्विनी और श्रद्धा आदि देवियों का उल्लेख है। ऋग्वेद के दशम मण्डल के एक सूक्त में वाक् यानी वाणी की देवी के रूप में स्तुति की गई है। इसमें देवी की महिमा का बहुत ही उदात्त वर्णन है। तदनुसार वाक्, ही समस्त देव शक्तियों की मूल है। धर्मसूत्रों में भी शक्ति तत्व को स्वीकार किया गया है। धर्मसूत्रों के समान ही गृह्यसूत्रों में शिवपत्नी का उल्लेख है। गृह्यसूत्रों में शिवमूर्ति की उपासना के साथ-साथ देवी दुर्गा नाम दिया गया है। रामायण में देवी के दुर्गा नाम का उल्लेख है। एक स्थल पर उन्हें रुद्राणी कहा गया है। अनेक स्थलों पर उन्हें अन्य देवताओं से भी उत्कृष्ट माना गया है। देवतागण भी उनके सामने आंख उठाते का साहस तक नहीं कर सकते।

शक्ति का पूर्ण विकसित रूप शाक्त पुराणों में मिलता है। देवी उपपुराण प्राचीन एवं प्रमुखतम शाक्त उपपुराणों में से एक है। इसमें मुख्यतः देवी का चित्रण युद्धरत यानी रक्षा करने वाली देवी के रूप में हुआ है। 'कालिका उप पुराण' भी शाक्त पुराण है, जिसमें कामाख्या को प्रधान देवी माना गया है। तदनुसार कामाख्या ही प्रधान देवी है जो

वास्तव में विभिन्न कार्यों के सम्पादन के लिए नाना रूप धारण करती है। आदि शक्ति के रूप में देवी के स्वरूप का वर्णन मार्कण्डेय पुराणोक्त दुर्गा सप्तशती में मिलता है। श्रीमद् देवीभागवत् पुराण शाक्तमत का स्वतंत्र पुराण है जिसमें देवी को विश्व की नियामिका अधिष्ठात्री चैतन्यमयी शक्ति के रूप में चित्रित किया गया है। 'सर्वश्वात्त्वदेमेवाहं नान्यदस्ति सनातनम्' यह श्लोकार्द्ध ही देवी भागवत् का मूल वचन है। इसके द्वारा ही देवी भागवत् में वर्णित आद्याशक्ति के वास्तविक स्वरूप के दर्शन होते हैं। स्पष्ट है कि देवी उपासना बहुत प्राचीन है जिसके उद्भव सूत्र आद्यग्रन्थ ऋग्वेद के मंत्रों में उपलब्ध होते हैं। शक्ति उपासना का बीजारोपण वेदों से ही हो चुका था। वैदिक युग से प्रारम्भ होकर प्रत्येक युग में शक्ति उपासना प्रचलित थी। शक्तिवाद की यह परम्परा अविच्छिन्न है।

शक्ति की आराधना का, वंदना का मुख्य स्रोत वैदिक साहित्य है। यजुर्वेद में दुर्गा अम्बिका के नाम से तो पुराणों में और महाकाव्यों में शक्ति के रूप में जानी गई है। शक्ति को स्त्री रूपा माना गया है और देवताओं की सहायिका मानी गई है। इसके अतिरिक्त इन्हें जगतजननी, सृष्टिकर्ता आदि की भी उपमा दी गई है। दुर्गा सप्तशती में पहली बार दुर्गा के शक्ति रूप की उपासना की गई है, जिसमें नारीत्व की महिमा का वर्णन है। दुर्गा सप्तशती के अनुसार दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। दुर्गा का आविर्भाव विष्णु तथा रुद्र के क्रोध से हुआ। इस देवी के शरीर में सभी देवताओं का वास है। बौद्धसिद्धों तथा तार्त्रिकों की देवी उग्रतारा, प्रज्ञापरामिता तथा महामुद्रा में शक्ति के रूप में देवी दुर्गा की ही कल्पना है। शक्ति की उपासना हमारी भारतीय

संस्कृति का मूल है। भारतीय संस्कृति में उपासना की जो पद्धति है, वैसी किसी भी अन्य धर्म में उपलब्ध नहीं है। भारतीय संस्कृति आदि संस्कृति है। दुनिया के अधिकतर देश जब अज्ञानता के अंधकार में भटक रहे थे, तब इसी संस्कृति ने सभ्यता और संस्कृति के दीप जलाए। इस संस्कृति में शक्ति उपासना का सर्वाधिक महत्व है। शक्ति विनाशकारी ताकतों के नाश के लिए बेहद जरूरी है। नवरात्रि का यह पर्व विशेषकर आदि शक्ति की पूजा के लिए है।

ऊर्जा का आह्वान

हमारे आदि पुरुष 'मनु' ने धर्म की परिभाषा दी है कि जो '‘धारण करने योग्य हो, वह धर्म होता है।' क्या हम इस परिभाषा को नवरात्रि जैसे विशुद्ध धार्मिक विधान पर लागू कर सकते हैं? इसमें नौ राते आती हैं। इन दिनों माँ दुर्गा की आराधना की जाती है। व्रत रखा जाता है। यथासंभव पवित्र जीवन जीने की कोशिश की जाती है। तो इसमें धारण करने योग्य क्या है। पूरी तरह धार्मिक निगाह से देखने पर तो ये सब निश्चित तौर पर धार्मिक कर्मकाण्ड के हिस्से ही लगते हैं। लेकिन ऐसा है नहीं। दरअसल, हमारे पूर्वजों ने जीवन से जुड़ी अपनी सभी वैज्ञानिक बातों को प्रतीकों और मिथकों के माध्यम से हमें बताया और इन सबसको 'धर्म' का नाम दिया, ताकि आम लोग इनका विधिवत तरीके से श्रद्धापूर्वक पालन कर सकें। तो आइए देखते हैं कि इस नवरात्रि का विज्ञान क्या है। तो सबसे पहले बात करते हैं 'नौ' का। नौ ही क्यों? आठ या दस क्यों नहीं? इसके दो मुख्य कारण जान पड़ते हैं। पहली बात तो यह कि भारतीय दर्शन में 108 अंक अत्यंत पवित्र अंक माना जाता है। शायद इसका कारण यह हो कि योगियों ने सौरमार्ग को सप्ताहस बारवार भागों में बाँटा है। जिन्हें नक्षत्र करते हैं। प्रत्येक नक्षत्र को चार बारवार पदों में बाँटा है। इनका गुणनफल 108 होता है। इस प्रकार माला के 108 मनकों का जाप करके भक्त सौरमार्ग की परिक्रमा पूरी कर लेता है। 108 का जोड़ होता है एक+आठ = नौ। इस नौ के अंक को खूबी यह है कि इस अंक का किसी भी संख्या से गुण किया जाये, तो उनका जोड़ नौ आएगा। 9*2=18, 1+8=9। 15*9=135, 1+3+5=9। इस प्रकार नौ पूर्णता का प्रतिनिधित्व करता है।

स्त्री-पुरुष दोनों ही ब्रह्मचर्य व्रत का पालन जरूर करें

नवरात्रि एक प्रसिद्ध हिंदू पर्व है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान, देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटाने वाली होता है। नवरात्र के दिनों में व्रत रखना जहां धार्मिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है, वहीं सही तरीके से व्रत सेहत की दृष्टि से भी फायदेमंद है। व्यक्ति जब अहंकार, क्रोध, वासना और अन्य पशु प्रवृत्ति की बुरी प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त कर लेता है, तो वह एक शून्य का अनुभव करता है। यह शून्य अध्यात्मिक धन से भर जाता है। नवरात्र एक ऐसा समय है जब हम देवी का आह्वान करते हैं तथा यह देवी मां को पूजने का सबसे उत्तम वक्त है। जिस प्रकार किसी की मृत्यु के बाद हम नियम कानून का पालन करते हैं उसी प्रकार नवरात्र में देवी को पूजने के वक्त भी शास्त्रों में दिए कई नियम हम मानते हैं। देवी इन नौ दिन हमारे घर पधारती हैं। शास्त्रों के हिसाब से हमें इस दौरान शारीरिक सम्बन्ध नहीं बनाना चाहिए, नाखून-बाल नहीं काटना चाहिए। यहां तक की बाल में तेल और साबुन-शैम्पू का प्रयोग भी नहीं करना चाहिए।

ब्रह्माजी ने राम को बताया था उपाय

लंका-युद्ध में ब्रह्माजी ने श्रीराम से रावण वध के लिए चंडी देवी का पूजन कर देवी को प्रसन्न करने को कहा और बताए अनुसार चंडी पूजन और हवन हेतु दुर्लभ एक सौ आठ नीलकमल की व्यवस्था की गई। वहीं दूसरी ओर रावण ने भी अमरता के लोभ में विजय कामना से चंडी पाठ प्रारंभ किया। यह बात



इंद्र देव ने पवन देव के माध्यम से श्रीराम के पास पहुँचाई और परामर्श दिया कि चंडी पाठ यथासंभव पूर्ण होने दिया जाए। इधर हवन सामग्री में पूजा स्थल से एक नीलकमल रावण की मायावी शक्ति से गायब हो गया और राम का संकल्प टूटता-सा नजर आने लगा। भय इस बात का था कि देवी माँ रुठ न हो जाएँ। दुर्लभ नीलकमल की व्यवस्था तत्काल असंभव थी, तब भगवान राम को सहज ही स्मरण हुआ कि मुझे लोग कमलनयन नवकंच लोचन कहते हैं, तो क्यों न संकल्प पूर्ति हेतु एक नेत्र अर्पित कर दिया जाए और प्रभु राम जैसे ही तृणीर से एक बाण निकालकर अपना नेत्र निकालने के लिए तैयार हुए, तब देवी ने प्रकट हो, हाथ पकड़कर कहा- राम में प्रसन्न हूँ और विजयश्री का आशीर्वाद दिया।

इस पर्व से जुड़ी एक अन्य कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। और प्रत्याशित प्रतिफल स्वरूप महिषासुर ने नरक का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए हैं और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा है। तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गई थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं।

अपनी राशि अनुसार के अनुसार करें माँ दुर्गा के स्वरूपों की आराधना

नवरात्रि के नौ दिनों में माँ दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। चूहे तो माता के किसी भी रूप की पूजा सदैव शुभ फलदायी होती है। लेकिन योतिष शास्त्र में राशियों के अनुसार किसी विशेष माता स्वरूप की पूजा का प्रावधान है। योतिष शास्त्र के अनुसार यदि इंसान अपनी राशि अनुसार देवी के किसी विशेष स्वरूप की पूजा करे तो उसे राशि ही शुभ फल प्राप्त होता है। यहाँ हम आपको बताएंगे की राशि अनुसार किस देवी स्वरूप की और कैसे पूजा करनी चाहिए।

मेष: इस राशि के लोगों को स्वयं माता की विशेष उपासना करनी चाहिए। दुर्गा सप्तशती या दुर्गा चालीसा का पाठ करें। स्कंदनाता करुणामयी है, जो वात्सल्यता का भाव रखती है।

वृषभ: वृषभ राशि के लोगों को मलंगौरी स्वरूप की उपासना से विशेष फल प्राप्त होते हैं। ललित सहस्र नाम का पाठ करें। अतिवाहित कन्याओं को आराधना से उत्तम वर की प्राप्ति होती है।

मिथुन: इस राशि के लोगों को देवी-यंत्र स्थापित कर ब्रह्मचारिणी की उपासना करनी चाहिए। साथ ही तारा कवच का रोज पाठ करें। मां ब्रह्मचारिणी ज्ञान प्रदाता, विद्या के अवरोध दूर करती है।

कर्क: कर्क राशि के लोगों को तैलपुत्री की पूजा-उपासना करनी चाहिए। लक्ष्मी सहस्रनाम का पाठ करें। मंगलती की वर मुद्रा अमय दान प्रदान करती है।

सिंह: सिंह राशि के लिए मां कूर्मांड की साधना विशेष फल करने वाली है। दुर्गा मंत्रों का जाप करें। ऐसा माना जाता है कि देवी मां के सहस्र मात्र से ही ब्रह्मांड की उत्पत्ति हुई। देवी बलि प्रिया है, अतः साधक नवरात्र की चतुर्थी को आसुरी प्रवृत्तियों यानि बुराइयों का बलिदान देवी घरणों में निवेदित करते हैं।

कन्या: इस राशि के लोगों को ब्रह्मचारिणी का पूजन करना चाहिए। लक्ष्मी मंत्रों का साविधि जाप किया करें। ज्ञान प्रदान करती हुई विद्या मार्ग के अवरोधों को दूर करती है। विशारदियों हेतु देवी की साधना फलदायी है।

तुला: तुला राशि के लोगों को मलंगौरी की पूजा-आराधना से विशेष फल प्राप्त होते हैं। काली चालीसा या सप्तशती के प्रथम चरित्र का पाठ करें। जन-कल्याणकारी है। अतिवाहित कन्याओं को आराधना से उत्तम वर की प्राप्ति होती है।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि के लोगों को स्कंदनाता की उपासना श्रेष्ठ फल प्रदान करती है। दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। वात्सल्य भाव रखती है।

धनु: इस राशिवालों को चंद्रवंदा की उपासना करें। संबंधित मंत्रों का यथाविधि अनुष्ठान करें। घंटा प्रतीक है उस ब्रह्मनाद का, जो साधक के मय एवं विज्ञो को अपनी ध्वनि से समूल नष्ट कर देता है।

मकर: मकर राशि के जातकों के लिए कालरात्रि की पूजा सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। नर्तण मंत्र का जाप करें। अंधकार में भक्तों का मार्गदर्शन और प्राकृतिक प्रकोप, अविनाश आदि का शमन करती है। शत्रु संस्कार है।

कुंभ: कुंभ राशि वाले व्यक्तियों के लिए कालरात्रि की उपासना लाभदायक। देवी कवच का पाठ करें। अंधकार में भक्तों का मार्गदर्शन और प्राकृतिक प्रकोपों का शमन करती है। शत्रु संस्कार।

मीन: मीन राशि के लोगों को चंद्रवंदा की उपासना करनी चाहिए। हरिदा की माला से यथासंभव बंगालामुखी मंत्र का जाप करें। घंटा उस ब्रह्मनाद का प्रतीक है, जो साधक के मय एवं विज्ञो को अपनी ध्वनि से समूल नष्ट कर देता है।



विभिन्न नवरात्रियों का अलग-अलग महत्व बताएं। इन दिनों किस प्रकार पूजा उपासना की जानी चाहिए और उसके क्या लाभ हैं? भारतीय धार्मिक परंपरा में नवरात्रियों का बहुत ही महत्व है। नवरात्रा या नौरात्रि के दो अर्थ लिए जा सकते हैं - नौ रात या नौ रातों। सृष्टि का सृजन गहन अंधकार में भूगर्भ में या माता के गर्भ में ही होता है। मानव योनि के लिए गर्भ के ये नौ महीने नौ रातों के समान होते हैं जिनमें आत्मा, मानव शरीर धारण करती है। जिस प्रकार रात्रि हमें विश्राम देती हैं और हमारे शरीर में ऊर्जा का संचार करती हैं, उसी प्रकार नवरात्र की नौ रातें हमारे शरीर में अतिरिक्त शक्ति व ऊर्जा का संचार करती हैं

नवरात्रि कब और क्यों मनाई जाती है?

क्योंकि ये रातें अति सूक्ष्म ऊर्जा से परिपूर्ण होती हैं। अतः इनका उपयोग कर हम अपने अंदर भी नई ऊर्जाओं का पुनः संचरण कर जीवन में अधिकाधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पहली शलै पत्नी कहलावे। दूसरी ब्रह्मचारिणी मन भावें, तीसरी चंद्रवंदा शुभनाम, चौथी कूर्मांडा सुखधाम, पांचवीं देवी स्कंदमाता, छठी कात्यायनी विख्याता, सातवीं कालरात्रि महामाया, आठवीं महागौरी जगजाया, नवमी सिद्धिदात्रि जग जाने, नवदुर्गा के नाम बखाने। मातृ शक्ति के रूप में देवी जी की पूजा उपासना की भिन्न-भिन्न पद्धतियां विभिन्न रूपों में भारत में प्रचलित हैं। उनकी उपासना का सर्वश्रेष्ठ रूप सभी जगह नवरात्रियों के अवसर पर देखने को मिलता है।

यह काल मात्र उत्सव ही नहीं है, वरन सिद्धि प्राप्ति का, साधना उपासना का श्रेष्ठ अवसर होता है। बंगाल प्रांत में श्री दुर्गा, राजस्थान में गणगौर और गुजरात में भगवती अंबा गरबा की पूजा वैयक्तिक और सामूहिक दोनों रूप में की जाती है। छोटी-छोटी लड़कियां भी

शतमुख जाति के रूप में सांझी के नाम से व्रत रखती हैं, उनकी पूजा प्रतिष्ठा करती हैं। नवरात्रि के अवसर पर जवारे रखे जाते हैं दुर्गा-सप्तशती का पाठ मंत्र जप, हवन पूजन, कन्या भोजन, भंडारा आदि का आयोजन भक्तगण अंबा माता की कृपा पाने, उन्हें प्रसन्न करने के लिए करते हैं। इन दिनों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित विभिन्न स्थानों पर दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। विजय दशमी तक विभिन्न स्थानों पर रामलीलाएं की जाती हैं, मेले लगते हैं। योद्धाओं का यही सैन्य पर्व होता है। इसी अवसर पर क्षत्रिय शास्त्र पूजन करते हैं। देवी जागरण के कार्यक्रमों के दौर भी इसी अवसर पर चलते हैं।





रूस से 0-4 की हार के बावजूद युवा भारतीय टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं कोच क्रिस्पिन छेत्री

कोलकाता

भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने रूस के खिलाफ पहले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में 0-4 की हार के बावजूद अपनी युवा टीम का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि टीम ने शुरुआती दौर में अच्छा जुझारूपन दिखाया और खिलाड़ियों को इस अनुभव से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए मुकाबले में रूस की इयाना शेइना ने 40वें मिनट में शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी किरा पेतुखोवा ने 60वें और 65वें मिनट में लगातार दो गोल किए।

इयाना स्विस्नुनोवा ने 81वें मिनट में

गोल कर रूस की जीत 4-0 कर दी। दूसरे हाफ में रूस के लगातार हमलों के सामने भारतीय टीम दबाव में आ गई। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में छेत्री ने कहा, 'इस मैच की सकारात्मक बात यह रही कि युवा टीम होने के बावजूद हमने जुझारूपन दिखाया। हम दबाव बनाकर खेलने से नहीं डरते और न ही दौड़ने से घबराते हैं। हम उन चीजों को करने की कोशिश करते हैं, जो हमारे नियंत्रण में हैं।' मुख्य कोच ने टीम के 25 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने रूस की शारीरिक मजबूती और सेट पीस से मिलने वाली चुनौती का सामना करने की कोशिश की।

छेत्री ने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने जुझारूपन दिखाया और हार नहीं मानी। मेरे लिए यही सबसे अच्छी बात है।' 'छेत्री ने स्वीकार किया कि जून के बाद से प्रतिस्पर्धी फुटबॉल नहीं खेलने के कारण भारतीय खिलाड़ियों को कठिनाई हुई। इसके विपरीत रूस की टीम अपनी घरेलू लीग के बीच में है और बेहतर मैच अभ्यास के साथ मैदान पर उतरी थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस मुकाबले से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अनुभव मिलेगा, जो उनके विकास में मददगार होगा। 11 अक्टूबर को होने वाले दूसरे मैत्री मुकाबले को लेकर छेत्री ने कहा कि टीम का ध्यान लंबे समय तक खेल

की तीव्रता बनाए रखने में सुधार करने पर रहेगा। साथ ही, पहले मैच के अंतिम चरण में खेलने वाली युवा खिलाड़ियों को अगले मुकाबले में अधिक अवसर दिए जा सकते हैं। भारतीय टीम का अगला बड़ा लक्ष्य 2029 में होने वाला एफएसी महिला एशियाई कप है। छेत्री ने कहा कि टीम की प्रगति के लिए अधिक खिलाड़ियों का मजबूत समूह तैयार करना महत्वपूर्ण है। रूस के खिलाफ दूसरा मुकाबला युवा भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने और पहले मैच से मिली सीख को मैदान पर लागू करने का एक और अवसर देगा।

रणजी ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले नहीं खेले पाएंगे वैभव

पटना। बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रणजी ट्रॉफी के 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे शुरुआती चार मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में बिहार टीम को वैभव के बिना ही उतरना होगा। वैभव अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम के साथ हैं। ये सीरीज 17 अक्टूबर तक चलेगी। इसके बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भी भारतीय टीम के साथ रहना है।

न्यूज़ बीफ

रणजी ट्रॉफी के लिए सौराष्ट्र की टीम में शामिल हुए रवींद्र जडेजा

राजकोट। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को रणजी ट्रॉफी 2026-27 के पहले मुकाबले के लिए सौराष्ट्र की टीम में शामिल किया गया है। जयदेव



उनादकट की कप्तानी में सौराष्ट्र की 16 सदस्यीय टीम 11 अक्टूबर से छत्तीसगढ़ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। जडेजा हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की एकदिवसीय श्रृंखला में खेले थे, जिसमें भारतीय टीम ने 2-1 से जीत दर्ज की। जडेजा दो मैचों में केवल दो विकेट ले सके और उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। रणजी ट्रॉफी में खेलने से उन्हें न्यूजीलैंड के आगामी दो टेस्ट मैचों के दोरे से पहले लाल गेंद के क्रिकेट में लय हासिल करने में मदद मिलेगी। भारत को न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन और दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से एक दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेलना है। रणजी ट्रॉफी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू होगा। पूर्व चैंपियन सौराष्ट्र को एलीट ग्रुप बी में आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा के साथ रखा गया है। सौराष्ट्र और कर्नाटक के बीच मुकाबला राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला जाएगा। उनादकट की कप्तानी में सौराष्ट्र ने 2019-20 और 2022-23 में रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था। टीम ने पिछले सत्र के अपने 14 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। हालांकि, 2025-26 सत्र में सौराष्ट्र की टीम ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी। इस बार टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

कपिल बोले - वैभव को अभी से अगला सितारा नहीं कह सकते, कांबली का दिया उदाहरण

मुम्बई। पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी अभी 15 साल के ही हैं और ऐसे में उन्हें अगला सितारा कहना



जल्दबाजी होगी। कपिल ने वैभव की क्षमता को माना है पर साथ ही कहा है कि उन्हें अभी से सुपरस्टार कहना जल्दबाजी होगी। अपनी बात को मजबूती देने के लिए उन्होंने पूर्व भारतीय बल्लेबाज विनोद कांबली का उदाहरण भी दिया। भारतीय टीम को पहला विश्वकप जीताने वाले इस पूर्व कप्तान के अनुसार वैभव सूर्यवंशी में आगे बढ़ने की पूरी क्षमता है पर कहा कि क्रिकेट के इतिहास में ऐसे कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आए हैं जिनका करियर उनकी शुरुआती उम्मीदों के अनुसार आगे नहीं बढ़ पाया। इसलिए, वैभव के लिए अभी से कोई बड़ी भविष्यवाणी करना सही नहीं है। पूर्व कप्तान ने अपनी बात समझाते हुए कांबली का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी आए हैं, जिनमें काफी क्षमता थी पर बाद में वो उस मुकाम तक नहीं पहुंच सके जिसकी उनसे उम्मीद की गई थी। कांबली का उदाहरण इसी बात को समझाने के लिए दिया गया कि केवल शुरुआती प्रतिभा ही किसी लंबे और सफल करियर की गारंटी नहीं होता। एक खिलाड़ी को लगातार खुद को साबित करना होता है और हर चुनौती का सामना करना होता है। कपिल देव ने वैभव की उम्र का भी खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वैभव अभी सिर्फ 15 साल के हैं और उन्हें अपने खेल व जीवन को समझने के लिए पर्याप्त समय देना चाहिए।

भारतीय मूल के न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज जीत रावल ने संन्यास लिया

ऑकलैंड। भारतीय मूल के न्यूजीलैंड के अनुभवी सलामी बल्लेबाज जीत रावल ने पेशेवर क्रिकेट को अलविदा



कह दिया है। इससे जीत के एक दशक से अधिक समय तक चले करियर का समापन हो गया है। 38 साल के जीत ने साल 2016 से 2020 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 24 टेस्ट मैच खेले हैं। वह अब वार्डेंट अकादेंट के रूप में काम करेंगे। भारत में जन्मे रावल, जो अहमदाबाद के एक गुजराती परिवार से संबंध रखते हैं। रावल ने नवंबर 2016 में पाकिस्तान के खिलाफ क्राइस्टचर्च में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया और जनवरी 2020 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में, उन्होंने 30.07 की औसत से 1143 रन बनाए, जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल थे। हालांकि उनका अंतिम टेस्ट जनवरी 2020 में था, वह उस दौर की न्यूजीलैंड टीम के अभिन्न अंग थे जिसने बाद में जून 2021 में भारत को हराकर पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता था। अपने संन्यास की घोषणा करते हुए जीत काफी भावुक दिखे। नार्दन डिरिट्चट्ट क्रिकेट एसोसिएशन से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं पूरे सम्मान के साथ यह फैसला किया है। मुझे शांति और बहुत संतुष्टि महसूस हो रही है। न्यूजीलैंड की तरफ से खेलना मेरे बचपन का सपना था। उन्होंने आगे बताया, यह केवल मेरा सपना ही नहीं था, बल्कि मेरे पिता का भी सपना था। हमें एक मौका दिया और वह परिवार के साथ न्यूजीलैंड आ गए ताकि मैं अपना सपना पूरा कर सकूँ।

250 रन का लक्ष्य हासिल कर वेस्टइंडीज ने रचा इतिहास, भारत को मिली करारी शिकस्त



रांची। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रांची के जेएससीए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला गया दूसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। वेस्टइंडीज ने भारत के 250 रन के विशाल लक्ष्य को हासिल करते हुए छह विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ कैरेबियाई टीम ने पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली।

संजू सैमसन की तूफानी पारी, भारत ने बनाए 249 रन

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने बल्लेबाजी के अनुकूल पिच का पूरा फायदा उठाया। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने मात्र 41

गेंदों पर नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से 82 रन बनाए। उनकी आक्रामक पारी में 200 का स्ट्राइक रेट देखने को मिला। ईशान किशन ने 22 गेंदों पर 43 रन, कप्तान श्रेयस अय्यर ने 18 गेंदों पर 40 रन और तिलक वर्मा ने मात्र 18 गेंदों पर नाबाद 44 रन की विस्फोटक पारी खेली। इन बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 249 रन बनाए।

मयंक यादव के शुरुआती झटकों से लड़खड़ाई वेस्टइंडीज

250 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। भारतीय तेज

गेंदबाज मयंक यादव ने पहले ही ओवर में लगातार दो गेंदों पर कामिल पून को चार रन और शिमारन हेटमायर को शून्य पर आउट कर दिया। इससे कैरेबियाई टीम दबाव में आ गई।

इसके बाद कप्तान शाई होप और रोवमैन पॉवेल ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन जोड़कर पारी को संभालने की कोशिश की। पॉवेल के आउट होने पर वेस्टइंडीज का स्कोर तीन विकेट पर 58 रन था। उस समय भारतीय टीम की स्थिति मजबूत दिखाई दे रही थी।

रदरफोर्ड और होप ने पलट दिया मैच इसके बाद शेरफेन रदरफोर्ड ने कप्तान शाई होप के साथ मिलकर भारतीय गेंदबाजों पर जोरदार हमला बोला। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए मात्र 54 गेंदों में 120 रन की तूफानी साझेदारी कर मैच का रुख बदल दिया।

रदरफोर्ड ने केवल 37 गेंदों पर 84 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनके आउट होने के बावजूद कप्तान शाई होप एक छोर पर डटे रहे और अपनी टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। वेस्टइंडीज ने छह विकेट से जीत दर्ज कर भारतीय टीम को बड़ा झटका दिया।

शृंखला में बराबरी, तीसरे मुकाबले पर नज़रें इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 1-1 से बराबर कर लिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 249 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन कैरेबियाई बल्लेबाजों ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। अब तीसरे मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर की उम्मीद है।



झोउ कीहाओ ने तोमोकाजू हारिमोतो को हराया

पुरुष एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) मैच में चीन के झोउ कीहाओ ने तीसरी वरीयता प्राप्त तोमोकाजू हारिमोतो को सीधे गेमों में 11-9, 11-8, 11-9 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। झोउ कीहाओ की जापानी पैडलर हारिमोतो पर यह करियर की पहली जीत है। इस टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में हारिमोतो ने कड़ा संघर्ष दिखाया था। उन्होंने पहले दौर में जोनाथन ग्रोथ के खिलाफ 2-0 से पिछड़ने के बाद वापसी की थी और दूसरे दौर में पार्क गैंगह्वोन को मात दी थी, लेकिन राउंड ऑफ 16 में उनकी चुनौती समाप्त हो गई। इस हार के साथ ही बीजिंग में हारिमोतो के पास वर्ल्ड नंबर 1 का स्थान हासिल करने का जो मौका था, वह भी उनके हाथ से फिसल गया।

नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में होने जा रही आयोजित एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से पाकिस्तान टीम को बाहर कर बांग्लादेश को शामिल किया गया है। यह फैसला पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के भारत आने से इंकार करने और अपने मुकाबले किसी तटस्थ स्थान पर आयोजित करवाने की मांग को देखते हुए लिया गया है। एशियाई हॉकी संघ (एएचएफ) ने पाक हॉकी मांग को ठुकरा दिया है।

यह महत्वपूर्ण टूर्नामेंट पंजाब के जालंधर और मोहाली शहरों में 27 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच खेला जाएगा। शुरुआत में, 6 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भी शामिल किया गया था, लेकिन पीएचएफ ने बीच में एशियाई हॉकी संघ से अपने



मैचों को तटस्थ स्थान पर खेले जाने के कहा था। वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव और एशियन हॉकी फेडरेशन के उपाध्यक्ष भोला नाथ सिंह ने उस वकत ही यह साफ कर दिया था कि टूर्नामेंट की जगह को लेकर कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

इस घटनाक्रम की पुष्टि तब हुई जब हॉकी इंडिया ने टूर्नामेंट में शामिल होने वाली छह टीमों की एक आधिकारिक रिलीज जारी की। इस सूची में पाकिस्तान का नाम नहीं था। टूर्नामेंट में अब भारत के साथ जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमों हिस्सा लेंगी।

अंडर-19 एशिया कप में 8 नवंबर को होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला

दुबई। पुरुष अंडर-19 एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 8 नवंबर को मुकाबला होगा। एशियाई क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने ओमान में होने वाले एशिया कप के पूरे कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। ये टूर्नामेंट 5 नवंबर से 14 नवंबर तक खेला जाएगा। इसमें एशिया की आठ टीमों खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। दस दिनों तक चलने वाले 50 ओवरों के रोमांचक मुकाबले ओमान क्रिकेट एकेडमी (ओसीए) मैदान 1 और 2 पर खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली आठ टीमों को दो मजबूत ग्रुपों में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और नेपाल जैसी टीमों शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और मेजबान ओमान की ओर से मलेशिया की टीम अपनी दावेदारी पेश करेगी। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच 8 नवंबर को होने वाले मुकाबले का सभी को इंतजार है। इस महामुकाबले पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों की गहरी नज़रें टिकी रहेंगी।

डॉ. संतोष जी. होनावर लगातार पांचवीं बार स्टैनफोर्ड सूची में नेत्र विज्ञान के शीर्ष शोधकर्ता

नई दिल्ली

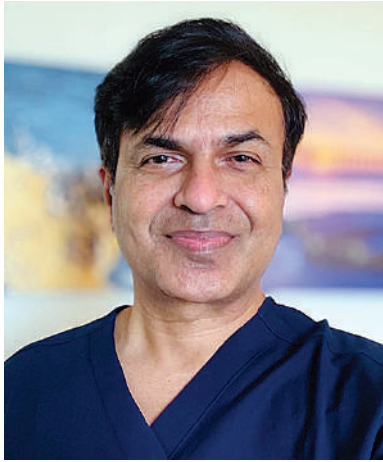
प्रसिद्ध ऑक्सुलर ऑन्कोलाजिस्ट डॉ. संतोष जी. होनावर ने लगातार पांचवें वर्ष स्टैनफोर्ड सूची में भारतीय नेत्र विज्ञान शोधकर्ताओं में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वे करियर-लॉन्ग इंपैक्ट की सूची में भी पहले स्थान पर हैं।

डॉ. होनावर ऑल इंडिया ऑथल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआईओएस) के मानद सचिव हैं। एआईओएस विश्व की दूसरी सबसे बड़ी नेत्र चिकित्सकों की पेशेवर संस्था है, जिसकी स्थापना 1930 में हुई थी और इसके 28,000 से अधिक सदस्य हैं।

वे एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट, हैदराबाद के पूर्व एसोसिएट डायरेक्टर भी रह चुके हैं। वर्तमान में वे सेंटर फॉर साइट आई हॉस्पिटल, हैदराबाद में ऑथल्मिक प्लास्टिक सर्जरी एंड ऑक्सुलर ऑन्कोलॉजी के निदेशक हैं।

2026 स्टैनफोर्ड सूची में भारतीय शोधकर्ताओं का दबदबा

वार्षिक प्रभाव की सूची में शीर्ष 10 भारतीय शोधकर्ताओं में डॉ. संतोष जी. होनावर, डॉ. मोहम्मद जावेद अली, डॉ. कालिकी स्वाति, डॉ. नम्रता शर्मा, डॉ. वीरेंद्र एस. सांगवान, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. जीव-ीएस मूर्ति, डॉ. रोहित शेड्डी, डॉ. सावित्री शर्मा



और डॉ. राजीव रमन शामिल हैं। करियर-लॉन्ग इंपैक्ट की सूची में शीर्ष 10 में डॉ. संतोष जी. होनावर, डॉ. गुल्लापल्ली एन. राव, डॉ. वीरेंद्र एस. सांगवान, डॉ. फिलिप अलोइसियस थॉमस, डॉ. सावित्री शर्मा, डॉ. मुथैया के. श्रीनिवासन, डॉ. मोहम्मद जावेद अली, डॉ. डी. बालासुब्रमण्यन, डॉ. जीवीएस मूर्ति और डॉ. अमोद गुप्ता हैं।

64 भारतीय नेत्र विशेषज्ञ विश्व के शीर्ष 2% शोधकर्ताओं में

2024 के प्रभाव के आधार पर विश्व के शीर्ष 2% शोधकर्ताओं में रिकॉर्ड 64 भारतीय

नेत्र विशेषज्ञ शामिल हुए हैं। इनमें से 29 करियर-लॉन्ग इंपैक्ट की सूची में भी जगह बनाने में सफल रहे। ये शोधकर्ता एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट, एम्स नई दिल्ली, शंकरा नेत्रालय, अरविंद आई केयर सिस्टम, नारायणा नेत्रालय, सेंटर फॉर साइट और पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ सहित कई प्रमुख संस्थानों से जुड़े हैं।

डॉ. होनावर को शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार सहित कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं।

वे भारतीय उपमहाद्वीप के एकमात्र ऐसे नेत्र विशेषज्ञ हैं जिन्हें रॉयल कॉलेज ऑफ

ऑथल्मोलॉजिस्ट्स (यूके) का उच्चतम सम्मान 'ऑनोरेरी फेलोशिप' मिला है। उनके 18,500 से अधिक उद्धरण और 73 का एच-इंडेक्स है।

एआईओएस अध्यक्ष डॉ. जीवन एस. तितियाल ने सभी भारतीय शोधकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि एआईओएस अपनी पत्रिकाओं, वैज्ञानिक गतिविधियों और विजन 2030 रणनीति के माध्यम से भारतीय नेत्र अनुसंधान को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में और अधिक युवा भारतीय नेत्र विशेषज्ञ स्टैनफोर्ड सूची में जगह बनाएंगे।

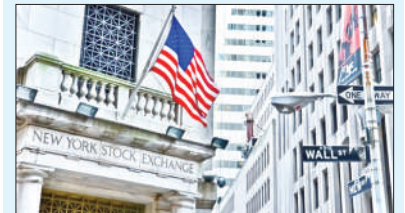
न्यूज़ ब्रीफ

रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने जियो आईपीओ को भारत का सबसे बड़ा बताया, समयसीमा पर चुपची



मुंबई। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दौरान रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कंपनी के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) को लेकर एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह आईपीओ देश का अब तक का सबसे बड़ा हो सकता है, जिससे शेयरधारकों के लिए मूल्य और विकास के नए अवसर खुलेंगे। अंबानी ने आईपीओ को जियो के दस साल के रोमांचक सफर की मात्र शुरुआत बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह न केवल देश का सबसे बड़ा आईपीओ होगा, बल्कि रिलायंस समूह की शेयरधारकों को लगातार मूल्य और विकास प्रदान करने की परंपरा को भी आगे बढ़ाएगा। उन्होंने दोहराया कि कंपनी का मुख्य मिशन हर भारतीय उपभोक्ता और नागरिक के जीवन को बेहतर बनाने वाली प्रौद्योगिकियों को उपलब्ध कराना है। हालांकि, चेयरमैन ने आईपीओ की कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई, लेकिन इतना जरूर कहा कि कंपनी इस पर बहुत मेहनत कर रही है और सही समय आने पर इसकी घोषणा कर दी जाएगी, क्योंकि यह कोई गोपनीय आईपीओ नहीं है। उन्होंने सैकड़ों करोड़ों को जियो के हर भारतीय घर तक होम ब्रॉडबैंड पहुंचाने के बड़े लक्ष्य का अभिन्न अंग बताया। अंबानी के अनुसार, जियो की पहुंच पहले से ही भारत के 99 प्रतिशत घरों तक है, और उपग्रह सेवाएं 48 कवरेज को और गति प्रदान करेंगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार



नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से शुक्रवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स पचुर्स शुक्रवार को बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में भी शुक्रवार को मिला-जुला कारोबार हो रहा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमत और व्याज दर को लेकर बनी चिंता की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। इस दबाव के बावजूद डाउ जॉन्स इंडेक्स एप्रैक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,231.64 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके विपरीत एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,765.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डैक 345.35 अंक यानी 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 27,193.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स पचुर्स शुक्रवार को फिहाल 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,302.61 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत टूट कर 10,441.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसई इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत फिसल कर 7,729.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

रुपया 23 पैसे चढ़कर 96.65 प्रति डॉलर पर खुला



मुंबई। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 23 पैसे मजबूत होकर 96.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर में मामूली नमी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, घरेलू मुद्रा पर व्यापक भू-राजनीतिक दबाव बना हुआ है और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से दबाव और बढ़ सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.74 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 96.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 23 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 13 पैसे टूटकर 96.88 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 102.03 पर रहा।

स्टारलिक सैटेलाइट इंटरनेट के माध्यम से भारत के गांव-गांव तक पहुंचाई जाएगी सेवा : मस्क

वादे और आरोप ज्यादा, ठोस निवेश और सुरक्षा समाधान कम

नई दिल्ली

स्पेसएक्स के सीओओ और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने स्टारलिक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के जरिए भारत के उन क्षेत्रों को मदद करने की बात कही, जहां अभी तक इंटरनेट नहीं मिल पा रहा है। मस्क ने साथ ही कहा, उनकी कंपनी को भारत में अमीर वर्ग के कारण नियामक बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है और विरोध करने वालों पर सबसे गरीब लोगों को नुकसान पहुंचाने का आरोप भी उन्होंने लगाया।

यहां ध्यान देनेवाला एक पक्ष यह भी है कि मस्क की यह टिप्पणियां तब आई जब स्टारलिक का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में इंडिया मोबाइल कांग्रेस में भाग ले रहा है, जबकि इससे जुड़ी हकीकत यही है कि भारत के लिए एलन मस्क अभी तक सिर्फ योजनाएं ही बनाते रहे हैं। टेस्ला को लेकर उन्होंने बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन स्थानीय उत्पादन में निवेश से पीछे हट गए। दरअसल, मस्क बार-बार भारत में निवेश और सेवा शुरू करने की बात करते रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में टेस्ला का कारखाना नहीं बना और स्टारलिक अभी सुरक्षा मंजूरी के चरण में ही अटकता है।

चीन में तेजी से निवेश, भारत में सिर्फ तारीखें

इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकातों और भारत यात्रा के बड़े-बड़े ऐलानों के बाद भी मस्क ने टेस्ला की जिम्मेदारियों का हवाला देकर भारतीय दौरा रद्द कर दिया, जबकि इसके ठीक बाद उन्होंने चीन का



दौरा किया। चीन में मस्क का निवेश बहुत पहले हो चुका है। शंघाई गिंगाफैक्ट्री का निर्माण जनवरी 2019 में शुरू हुआ और उसी साल के अंत तक उत्पादन चालू हो गया। शुक्रवार को वहां 400 से ज्यादा टिक्-1 स्थानीय आपूर्तिकर्ता हैं और कंपोनेंट्स का 95 प्रतिशत से अधिक हिस्सा स्थानीय स्तर पर बनता है।

चीन में मस्क ने तेजी से निवेश और उत्पादन किया, जबकि भारत में वादे और आरोप ज्यादा दिखे हैं। 2025-26 में टेस्ला ने भारत में फैक्ट्री तो खोला, पर स्थानीय स्तर पर शेक्री स्थापित करने की बात ठंडे बस्ते में डाल दी गई।

सुरक्षा पर मस्क की मंशा साफ नहीं

स्टारलिक की भारत योजना भी इसी पैटर्न पर दिखती है। कंपनी को जून 2025 में जीएमपीसीएस लाइसेंस और जुलाई 2025 में इन-स्पेस की मंजूरी मिली लेकिन व्यावसायिक सेवा अभी शुरू नहीं हुई। सरकार की मुख्य चिंता सैटेलाइट नेटवर्क की सुरक्षा, डेटा पर नियंत्रण, वैध इंटरसेप्शन और आपात स्थिति में सेवा पर भारतीय नियंत्रण को लेकर है। स्टारलिक के इंटर-सैटेलाइट लेजर लिंक ऐसे हैं कि

चाहिए कि बिना सुरक्षा मंजूरी के किसी को भी स्पेक्ट्रम नहीं मिलेगा।

भारत की आत्मनिर्भरता और जियो का विजन

भारत को मस्क की स्टारलिक पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है क्योंकि रिलायंस समूह की कंपनी जियो ने भी सैटेलाइट संचार में उतरने की घोषणा कर दी है। कंपनी करीब 1,600 सैटेलाइट लॉन्च करने और भारत में 23 ग्राउंड स्टेशन तैयार करने की योजना पर काम कर रही है। जियो का विजन डिजाइन, इंजीनियरिंग, इंटीग्रेशन और टेस्टिंग से लेकर लॉन्च, डिप्लॉयमेंट व आपरेशन तक पूरी श्रृंखला का नियंत्रण भारत में रखने का है। यानी सैटेलाइट मोबिलिटी में भारत को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना, ताकि उपयोगकर्ताओं और उनके डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। मस्क के इस दावे के विपरीत कि मई, 2026 तक भारत के 11,256 गांवों में 4जी कवरेज नहीं था, भारत सरकार अपनी संप्रभुता और सुरक्षा की कीमत पर किसी भी विदेशी कंपनी को सीधे बाजार नहीं सौंप सकती। यही किसी राष्ट्र के लिए नीति होना चाहिए, जिसका कि पालन शुक्रवार को भारत सरकार पूरी ईमानदारी से करती हुई नजर भी आ रही है, इसलिए नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी फिर कुछ भी कहें, उनके कहने से सच नहीं बदलेगा।

विपक्ष में बैठकर बोलना आसान होता है, सच यही है कि यदि शुक्रवार को उनकी भी केंद्र में सरकार होती तो संभवतः वह भी वही निर्णय लेती जोकि इस वक्त मोदी सरकार इस मामले में ले रही है। भारतीय नागरिक के डेटा सुरक्षा की जानकारी सबसे पहले है, जिसको लेकर कोई आशवासन अब तक एलन मस्क की कंपनी स्टारलिक ने अब तक भारत सरकार को नहीं दिया है!

विनोद इंटेलिजेंट कुकवेयर ने 50+ क्रिएटर्स के साथ ब्रांड एक्टिवेशन किया

हैदराबाद

भारत के पुराने कुकवेयर ब्रांड विनोद इंटेलिजेंट कुकवेयर ने हैदराबाद में बड़े पैमाने पर क्रिएटर-आधारित ब्रांड एक्टिवेशन का आयोजन किया। 1962 से चली आ रही इस कंपनी ने अपने रिटेल और मॉडर्न ट्रेड पार्टनर एग्रोमेक इंडस्ट्रीज के सहयोग से यह कार्यक्रम किया, जिसमें फूड, लाइफस्टाइल और होम कैटेगरी के 50 से अधिक क्रिएटर्स शामिल हुए।

8 अक्टूबर को एग्रोमेक इंडस्ट्रीज में आयोजित इस कार्यक्रम में इंटरएक्टिव गेम्स, किज, लाइव कुक-ऑफ, प्रोडक्ट एक्सपीरियंस जैसी क्रिएटर-आधारित कंटेंट शामिल थे। विनोद की पूरी रेंजस्टेनलेस स्टील, प्लेटिनम ट्रिपल एसएस प्रो और फ्रेयाप्रदर्शित की गई। 16 चयनित प्रतिभागियों ने विनोद कुकवेयर का इस्तेमाल कर मौके पर फूड चैलेंज पूरा किया।



यह पहल हैदराबाद को प्रमुख ग्रोथ मार्केट मानते हुए की गई है। कंपनी शहर में नंबर वन कुकवेयर ब्रांड बनने और मार्केट शेयर बढ़ाने के लक्ष्य के साथ उपभोक्ताओं और चैनल पार्टनर्स से जुड़ाव गहरा करना चाहती है। एग्रोमेक इंडस्ट्रीज ने वेन्यू और ग्राउंड स्पॉट उपलब्ध कराया। कंपनी हैदराबाद के किचन, होम और लाइफस्टाइल रिटेल सेगमेंट में जानी-मानी है और आठ कमर्शियल बिल्डिंग्स में विनोद के प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराती है।

विनोद कुकवेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बिजनेस डेवलपमेंट डायरेक्टर अर्जुन

अग्रवाल ने कहा, हैदराबाद हमारे लिए महत्वपूर्ण ग्रोथ मार्केट है। यहां उपभोक्ताओं और रिटेल पार्टनर्स के साथ हमें भरोसे पर हम आगे बढ़ना चाहते हैं। एग्रोमेक के साथ साझेदारी हमें मजबूत स्थानीय रिटेल आधार देती है, जबकि क्रिएटर कम्युनिटी प्रोडक्ट अनुभव को असली किचन और उपभोक्ता चर्चाओं तक पहुंचाती है।

एग्रोमेक इंडस्ट्रीज की मार्केटिंग एंड ई-कॉमर्स डायरेक्टर आशी जैन ने कहा, एग्रोमेक में हम ग्राहकों को बेहतर विकल्प और रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने वाले नवाचार उपलब्ध कराना चाहते हैं।

स्टॉक मार्केट में टीएनए सॉल्यूशंस की कमजोर शुरुआत, घाटे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी टीएनए सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार झटका दे दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 56 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद बकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से थोड़ी देर में ही ये शेयर गिर कर 53.20 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में खरीदारों ने लिवाली शुरू कर इसके लोअर सर्किट को ब्रेक कर दिया। बाजार में दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद ये शेयर 58.80 रुपये के स्तर पर बंद हुआ।

इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 11.20 रुपये यानी 16 प्रतिशत के नुकसान में रहे। इस कंपनी का 37.87 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से छह अक्टूबर के बीच सप्ताह के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छी रियासत मिली था, जिसके कारण ये ओवरऑल 39.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इस्टीमेशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 15.24 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इस्टीमेशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 102.30 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 46.06 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस



वैल्यू वाले कुल 54,08,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैनुफैक्चरिंग यूनिट का कंस्ट्रक्शन करने, नई मशीनरी की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

टीएनए सॉल्यूशंस लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रैड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.69 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 6.66 करोड़ रुपये

के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 9.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्त में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 36.32 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ी बढ़त के साथ 84.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 110.45 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 11.38 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 20.01 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का रिजर्व और सरप्लस बढ़कर 32.94 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar,

Hyderabad - 500 037

8688868345

शुभ लाभ

महाराष्ट्र

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 10 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज की विशेष बैठक में अग्रसेन जयंती एवं डांडिया महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा

11 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती का भव्य आयोजन, समाज की एकता और सदस्यता विस्तार पर दिया जोर

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती 11 अक्टूबर, रविवार को शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन-3 में भव्य रूप से मनाई जाएगी। जयंती के उपलक्ष्य में नौ दिवसीय डांडिया महोत्सव का भी आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने तथा आयोजन को सफल बनाने के उद्देश्य से 8 अक्टूबर, गुरुवार को अग्रवाल समाज की समस्त शाखाओं के पदाधिकारियों एवं के.एस. सदस्यों की विशेष सभा आयोजित की गई। इसमें केंद्रीय पदाधिकारियों, परामर्शदाताओं, पूर्व अध्यक्षों, विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों एवं के.एस. सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

मीडिया प्रचार-प्रसार समिति के चेयरमैन राजकुमार गुप्ता द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सभा में जयंती समारोह एवं डांडिया महोत्सव की तैयारियों, समाज की एकजुटता और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

महाराजा अग्रसेन धाम में भी होगा जयंती समारोह
सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ सभा का शुभारंभ हुआ। परामर्शदाता गोपाल मोर ने मंच संचालन करते हुए केंद्रीय पदाधिकारियों, परामर्शदाताओं एवं पूर्व अध्यक्षों को मंच पर आमंत्रित किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि समाज की संख्या-शक्ति और एकता के बल पर ही अग्रवाल समाज अपनी विशिष्ट पहचान हर क्षेत्र में स्थापित कर सकता है। उन्होंने बताया कि 11 अक्टूबर को सुबह 9 बजे जुबली हिल्स में ताजमहल होटल के समीप महाराजा अग्रसेन धाम की स्थापना की जा रही है। रोड नंबर-12 सर्किल पर स्थापित महाराजा अग्रसेन जी की भव्य प्रतिमा को स्थानांतरित कर यहां स्थापित किया जा रहा है। महाराजा अग्रसेन जी की जयंती अग्रसेन धाम में भी भव्य रूप से मनाई जाएगी। उन्होंने सभी अग्रबंधुओं से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर समाज की एकता और शक्ति का परिचय देने का आह्वान किया।

समाज की एकता ही विकास का आधार : अनिरुद्ध गुप्ता
केंद्रीय अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने सभी उपस्थितजनों का अभिनंदन एवं स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान कार्यकाल में सभी के सहयोग से समाज के लिए अनेक अच्छे कार्य किए जा रहे हैं। सदस्यों के लिए अग्रोहा धाम, जगन्नाथ पुरी और श्रीशैलम की धार्मिक यात्राओं का आयोजन किया गया। अग्रवाल समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को छात्रवृत्तियां वितरित की गईं। आर्थिक रूप से अक्षम परिवारों की सहायता के लिए प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा की शुरुआत की गई है, जिसके अंतर्गत 500 राशन किट वितरित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि भविष्य में भी समाज के लिए अनेक कल्याणकारी कार्य किए जाएंगे, लेकिन यह सब तभी संभव है, जब सभी अग्रबंधु एकजुट होकर कार्य करें और समाज की सदस्यता ग्रहण करें।

अनिरुद्ध गुप्ता ने बताया कि डांडिया महोत्सव के माध्यम से अग्रबंधुओं को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम में प्रसिद्ध फिल्मों हस्तियों को आमंत्रित किया गया

सेवा में भेदभाव नहीं, मानवता ही सर्वोपरि : राम प्रकाश अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास शुक्रवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्य राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि सेवा का उद्देश्य किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। सच्ची सेवा वही है, जिसमें धर्म, संप्रदाय और सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता को प्राथमिकता दी जाए।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि भूख को भोजन कराना,

आज का अल्पाहार

राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री मधुसूदनजी गुप्ता

की पुण्य स्मृति में अमावस्या के अवसर पर

इन्दरलाल बालमुकुन्द जेम्स एंड ज्वेलर्स

वितरण स्थल : मेट्रो पिक्चर्स नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड

SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234

JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311

RAM PRAKASH GOEL 93910 14283

MAHESH AGARWAL 98490 98502



है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 25 हजार अग्रबंधु समाज के सदस्य बन चुके हैं और इस संख्या को जल्द से जल्द 50 हजार तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने सभी से संगठन की मजबूती और एकता के लिए सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी बताया कि इसी दिन अग्रवाल समाज की ओर से माधव ऑटिज्म फाउंडेशन को एक करोड़ रुपये का दान दिया गया है, ताकि संस्था ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर सके। अध्यक्ष ने कहा कि उनके अध्यक्ष बनने के पीछे एक ही उद्देश्य है अग्रवाल समाज को जोड़ना और प्रत्येक अग्रबंधु को समाज का सदस्य बनाना। उन्होंने कहा, “जुड़ेंगे तो बढ़ेंगे।”

मानद मंत्री सीमा जैन ने सभा में अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती के उपलक्ष्य में समाज की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि 27 सितंबर को मानसरोवर शाखा के सहयोग से खेल महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं रखी गईं और बड़ी संख्या में अग्रबंधुओं ने भाग लिया।

2 अक्टूबर को बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ‘स्पॉटलाइट’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों से लेकर युवाओं के लिए चित्रकला, नृत्य एवं वाद्ययंत्र वादन सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम में लगभग 350 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

5 अक्टूबर को हरिओम स्पाइल संस्था के सहयोग से आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें गुरु मां मोनिका सिंघल ने

जीवन को निरोगी एवं खुशहाल बनाने के विषय पर प्रकाश डाला।

7 अक्टूबर को समाज की महिलाओं के लिए विशेष ‘महिला उत्सव’ आयोजित किया गया, जिसमें 1300 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा। समाज की 15 शाखाओं की महिलाओं ने भारतीय संस्कृति एवं त्योहारों की थीम पर आधारित नृत्य-नाटिकाएं प्रस्तुत कीं। मनोरंजन के लिए सोना-चांदी तंबोला आयोजित किया गया। इसके साथ ही महिलाओं द्वारा स्वयं निर्मित वस्तुओं के स्टॉल भी लगाए गए।

पहली जयंती में शामिल हुए थे तीन हजार अग्रबंधु

परामर्शदाता एवं पूर्व अध्यक्ष ब्रद्रीविशाल बंसल ने कहा कि 2 अक्टूबर 1997 को समाज की ओर से महाराजा श्री अग्रसेन जी की पहली जयंती मनाई गई थी, जिसमें लगभग तीन हजार अग्रबंधुओं ने भाग लिया था। इस बार जयंती समारोह में 15 हजार अग्रबंधुओं के शामिल होने की अपेक्षा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में महाराजा अग्रसेन जी की जयंती उपलब्ध स्टेडियम में आयोजित की जाएगी।

राम के वंशज होने के नाते समाजसेवा करें : सुरेश अग्रवाल

परामर्शदाता सुरेश अग्रवाल (सीएसके) ने कहा कि अग्रवाल भगवान श्रीराम के वंशज हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम तथा समाजवाद के प्रेरणास्रोत महाराजा श्री अग्रसेन जी के जीवन से प्रेरणा लेकर सभी को समाज के लिए निरंतर अच्छे कार्य करने चाहिए। इसके लिए संगठन में शक्ति होना आवश्यक है, जो तभी संभव है जब प्रत्येक अग्रबंधु समाज का सदस्य बने। इसी उद्देश्य से इस बार जयंती समारोह

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने किया अन्नदान एवं वस्त्र वितरण



हैदराबाद, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महावीर इंटरनेशनल, हैदराबाद की ओर से कोटी जैन मंदिर के पास दो स्थायी मासिक सेवा प्रकल्पों का सफल आयोजन किया गया। प्रकल्प 83 ‘रिलीव द हंगर’ के अंतर्गत जरूरतमंदों को अन्नदान किया गया, जबकि प्रकल्प 84 ‘खुशियों का बाजार’ के अंतर्गत वस्त्र वितरित किए गए। अन्नदान सेवा की संयोजिका वीरा सीमा शील कुमार जैन एवं सह-संयोजक वीर कुशल बरलोटा हैं। इस सेवा प्रकल्प के प्रायोजकों में श्री कानमलजी सा., वीर विनोद संचेती, अंश संचेती तथा मोहितजी एवं पल्लकजी का सहयोग रहा। वहीं, वस्त्र वितरण प्रकल्प की संयोजिका वीरा अनीता खिनवसरा एवं सह-संयोजिका वीरा अनीता नखत हैं। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष वीर विनोद संचेती, वीर शील कुमार जैन, वीर कुशल बरलोटा, वीर प्रितेश बोहरा, वीरा अनीता खिनवसरा तथा सचिव वीरा कल्पना बरलोटा उपस्थित रहे।

सत्य शक्ति महिला शाखा ने गौ माता को अर्पित किया छप्पन भोग

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा की ओर से पितृपक्ष अमावस्या एवं अग्रसेन जयंती के पावन अवसर पर नारायणी गौशाला में गौ माता के लिए छप्पन भोग प्रसाद का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में शाखा की महिला सदस्यों ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए और गौ सेवा में योगदान दिया। शाखा की ओर से गायों के लिए कैल्शियम की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल ने गौ माता के लिए कैल्शियम दान किया तथा गौ सेवा में सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई। रितेश अग्रवाल एवं उनकी पत्नी पूजा अग्रवाल ने भी सहयोग किया और दोनों ने



मिलकर कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं संभालीं। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष रानी मित्तल, उपाध्यक्ष पुष्पा अग्रवाल, संयुक्त सचिव कविता बंसल, कोषाध्यक्ष मीना अग्रवाल, कार्यकारिणी समिति की सदस्य सुनीता तुलस्यान, सहायताकोष अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, सलाहकार निर्मला जी, आशा जी, सुरभि जी एवं

जगदम्बा जी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहें। कार्यक्रम के समापन पर शाखा अध्यक्ष रानी मित्तल ने सभी उपस्थित सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, सहभागिता और समर्पण से यह धार्मिक एवं सेवाभावी आयोजन भव्य और सफल बन सका।

‘हम देश प्रेमी’ लघु फिल्म के पोस्टर का विमोचन

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक टी. राजा सिंह ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में महाकाल प्रोडक्शन के देशभक्ति एवं सामाजिक जागरूकता पर आधारित लघु फिल्म ‘हम देश प्रेमी’ के पोस्टर का विमोचन किया।

इस अवसर पर मशहूर भजन गायक अनूप कुमार एवं मनीष सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने राष्ट्रहित और जन-जागरूकता से जुड़े इस अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सैनिक संस्था, तेलंगाना राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक तथा महाकाल प्रोडक्शन के प्रवर्तक डॉ. (मानद) योगेश राज शीवास्तव ने टी. राजा सिंह को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही, ‘हम देश प्रेमी’ अभियान का समर्थन करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। टी. राजा सिंह ने देश की सीमाओं पर दिन-रात पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ राष्ट्र की सुरक्षा में तैनात वीर सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिक



कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, जिसके कारण देशवासी अपने परिवारों के साथ सुरक्षित जीवन जी पाते हैं। उन्होंने देशवासियों, विशेषकर युवा पीढ़ी से अपील की कि राष्ट्रीय सेवा के लिए केवल

सीमाओं पर जाकर ही योगदान देना आवश्यक नहीं है, बल्कि समाज और मानवता की सेवा के माध्यम से भी देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से रक्तदान एवं अंगदान जैसे महान कार्यों के लिए आगे आने और इस जन-जागरूकता अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने रक्तदान को जीवन बचाने वाली महत्वपूर्ण सेवा बताते हुए लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने तथा अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की।

‘हम देश प्रेमी’ लघु फिल्म का उद्देश्य रक्तदान एवं अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान, राष्ट्रसेवा, सामाजिक जिम्मेदारी, नशामुक्ति तथा स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने फिल्म के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और विशेष रूप से युवाओं को राष्ट्रीय एवं मानवसेवा से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

आज का अल्पाहार

राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री मधुसूदनजी गुप्ता

की पुण्य स्मृति में अमावस्या के अवसर पर

इन्दरलाल बालमुकुन्द जेम्स एंड ज्वेलर्स

वितरण स्थल : इंडो अर्मीकैंस हॉस्पिटल के सामने, के.वी.आर गार्डन के पास

SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234

JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311

RAM PRAKASH GOEL 93910 14283

MAHESH AGARWAL 98490 98502

विधायक ने बांटे स्मार्ट राशन कार्ड, इंदिरम्मा आवास का किया भूमिपूजन



मदनूर, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जूकल विधानसभा क्षेत्र के विधायक थोथा लक्ष्मीकांत राव ने शुक्रवार को मदनूर मंडल के शेखपुर गांव में गरीब परिवारों को तेलंगाना सरकार की ओर से नए स्मार्ट राशन कार्ड वितरित किए। इसके साथ ही उन्होंने इंदिरम्मा आवास योजना के तहत एक जरूरतमंद परिवार के मकान निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इस अवसर पर गांव के सरपंच तुकाराम, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष दारासार सायलु, हनुमान मंदिर के पूर्व अध्यक्ष राम पाटिल, सोसायटी अध्यक्ष श्रीनिवास पाटिल, संतोष, सांगया अण्णा, तहसीलदार एम.डी. मुजीब सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में बालिका दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम



मंचेरियल, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर मंचेरियल के ओवरब्रिज के पास स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वनिता वक्कु की सह-संस्थापक टी. कविता ने मुख्य वक्ता के रूप में बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत सुरक्षा, समान अवसरों और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने छात्राओं से आत्मनिष्कास के साथ अपने लक्ष्य हासिल करने और समस्याओं के समय भरोसेमंद बड़ों की मदद लेने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य रजनी, डॉ. स्वरूपानी, ज्योत्सना चंद्रदत्त, नगर अध्यक्ष रचाकोंडा चंदना, शिक्षक और अभिभावक उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति...

इसके बाद उन्होंने राजघाट जाकर प्रदर्शन करने का फैसला किया, लेकिन वहां भी उन्हें रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि विपक्ष अब सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय भी जाएगा।राष्ट्रपति से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी, एन.ए. बेबी, डी. राजा, राजीव राय, सुप्रिया सुले, उमर अब्दुल्ला, मनोज झा और थोल थिरुमावलवन शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और वोट चोरी के आरोपों को लेकर अपनी चिंताएं राष्ट्रपति के समक्ष रखीं।

आपातकाल...

दिपके ने कहा कि सीजेपी के कार्यकर्ता शनिवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की अपनी योजना पर कायम हैं। सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, अगर आप युवाओं से इतना डरते हैं, तो पूरा देश ही बंद कर दीजिए। उन्होंने 10 अक्टूबर को सुबह चार बजे से दोपहर दो बजे के बीच नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर आने वाली कई मेल और एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को रद्द किए जाने की खबरों की भी आलोचना की। दिपके ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि यदि सरकार चाहे तो उन्हें गिरफ्तार कर सकती है। सीजेपी के सौरव दास ने देश की मौजूदा स्थिति की तुलना आपातकाल से की। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में संगठन के कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है, जबकि कुछ अन्य को उनके घरों में नजरबंद किया गया है।दास ने कहा, किसी भ्रम में न रहें। देश में आपातकाल लगा दिया गया है और दिल्ली को किले में तब्दील कर दिया गया है।

ये आरोप सीजेपी के नेताओं की ओर से लगाए गए हैं। इन दावों पर केंद्र सरकार और संबंधित प्रशासन का पक्ष सामने आने पर स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग
गौरतलब है कि सीजेपी ने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की योजना बनाई है, लेकिन दिल्ली पुलिस ने संगठन को इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया है। पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है। संगठन का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में अनियमितताएं हुई हैं।

इसी मुद्दे को लेकर विपक्षी दल भी लगातार सवाल उठा रहे हैं। सीजेपी ने पुलिस की अनुमति नहीं मिलने और सुरक्षा संबंधी प्रतिबंधों के बावजूद प्रदर्शन करने की अपनी योजना पर कायम रहने की बात कही है। अब शनिवार को प्रस्तावित कार्यक्रम और प्रशासन की कार्रवाई पर सबकी नज़रें टिकी हैं।

दिल्ली...

से तुरंत निपटा जा सके। शनिवार सुबह चार, छह और सात बजे सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए बैठकें प्रस्तावित बताई गई हैं। संवेदनशील स्थानों पर 300 से अधिक अतिरिक्त शव्य-दृश्य निगरानी कैमरे लगाने की जानकारी भी सामने आई है। जंतर-मंतर की ओर जाने वाले रास्तों पर कई स्तरों में अवरोधक लगाए गए हैं। लाउडस्पीकरों के माध्यम से लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की जा रही है। पुलिसकर्मियों को संयम बरतने और पेशेवर तरीके से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, पिछली बार के प्रदर्शनों के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए इस बार टकराव से बचने पर जोर दिया जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों के लिए 12 हिरासत केंद्र तैयार

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दिल्ली पुलिस ने 12 हिरासत केंद्र तैयार किए हैं। बिना अनुमति प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचने वाले लोगों को हिरासत में लेकर इन केंद्रों में भेजने की व्यवस्था किए जाने की बात कही गई है। पुलिस का कहना है कि अनधिकृत भीड़ को इकट्ठा होने से रोका जाएगा और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। प्रदर्शन से पहले दिल्ली मेट्रो की सेवाओं पर पाबंदियों को लेकर भी बड़ी घोषणा की जानकारी सामने आई। शुक्रआती सूचना में 57 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास

100 सनातनी कन्याओं का सामूहिक विवाह 16 जनवरी को



नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवज्योति निष्काम सेवा ट्रस्ट की ओर से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सनातनी कन्याओं के सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन राजधानी दिल्ली में किया जा रहा है। नववर्ष में 16 जनवरी 2027 को आयोजित होने वाले इस समारोह में 100 से अधिक सनातनी कन्याओं के विवाह का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए वर-वधू दोनों का पंजीकरण शुरू कर दिया गया है। ट्रस्ट के चेयरमैन, विश्वविख्यात समाजसेवी, भामाशाह तथा 'ब्लड मेन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. बसंत गोयल ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह आयोजन दिल्ली के यमुना विहार क्षेत्र में किया जाएगा। डॉ. बसंत गोयल ने बताया कि इच्छुक परिवार पंजीकरण फॉर्म शाहदरा के दुर्गापुरी चौक स्थित गोयल मेडिकाल से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के नेतृत्व में आयोजित यह सामाजिक पहल जरूरतमंद परिवारों की सहायता और सामूहिक विवाह के माध्यम से सामाजिक सेवा को बढ़ावा देने का प्रयास है।

आईएमसी–2026 में 6जी, उपग्रह कनेक्टिविटी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नेटवर्क पर वैश्विक मंथन



नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के दूसवें संस्करण की ऐतिहासिक शुरुआत के बाद दुनिया भर के उद्योग जगत के दिग्गज, नीति निर्माता, दूरसंचार संचालक और शिक्षाविद् बिना सीमाओं के विस्तार की थीम को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच पर एकत्र हुए। उद्घाटन दिवस पर छठी पीढ़ी (6जी) की परीक्षण सुविधाओं, सीधे उपकरणों तक उपग्रह कनेक्टिविटी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डिजिटल बुनियादी ढांचे से आय जैसे विषयों पर व्यापक रणनीतिक चर्चा हुई। इन चर्चाओं ने इस दिन

को सम्मेलन के प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल कर दिया।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस–2026 के दसवें संस्करण का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया। उन्होंने प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, उद्योग, निवेश और विचारों को एकजुट करने तथा मानवता की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए आईएमसी की सराहना की। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी का विस्तार भरोसे के आधार पर ही संभव है। उन्होंने प्रौद्योगिकी के उपभोक्ता से वैश्विक निर्माता के रूप में भारत

धनपाल लक्ष्मी बाई विट्ठल गुप्ता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दुर्गा मंडपों के आयोजकों को रेशमी साड़ियां वितरित

इंदौर, 9 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। धनपाल लक्ष्मी बाई विट्ठल गुप्ता चैरिटेबल ट्रस्ट के निदेशक उदय कुमार, प्रणय कुमार और डॉ. विनय कुमार ने कहा कि उन्हें मां दुर्गा की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। ट्रस्ट के तत्वावधान में शहर के मिर्ची कंपाउंड स्थित डीएसएन कार्यालय में दुर्गा मंडपों के आयोजकों को रेशमी साड़ियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के निदेशकों ने बताया कि संस्था के माध्यम से विभिन्न सेवा कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी सेवा अभियान के अंतर्गत पिछले दस वर्षों से मां दुर्गा के मंडपों के आयोजकों को रेशमी साड़ियां भेंट की जा रही हैं। उन्होंने आयोजकों से नवरात्रि पर्व को पूरी श्रद्धा, भक्ति और निर्धारित नियमों के अनुसार मनाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि इंदौर निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक दुर्गा मंडप को अपनी ओर से साड़ियां भेंट की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू त्योहारों में अम्मावरी नवरात्रि का विशेष धार्मिक महत्व है। इंदौर में हर वर्ष दुर्गा मंडपों की संख्या बढ़ रही है और युवाओं का भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ना सुखद है। उन्होंने कामना की कि लोकमाता मां दुर्गा का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिला महासचिव एवं 19वें मंडल के पार्षद नागोला लक्ष्मीनारायण, पार्षद मत पवन, बंटू रामू, मलकाई महेंद्र, बंटू प्रीति प्रवीण, प्रसूना श्रीनिवास रेड्डी, ज्योति मुरली, धनिका परमेश्वर, नेता पवन मुंडाडा, मरावर कृष्णा, श्रीनिवास, बाबी सिंह, मंडल अध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

में काम करने के लिए भेजने की व्यवस्था व्यापक हुई। 19वीं और 20वीं सदी के शुरुआती दशकों में लाखों भारतीय मजदूरों को मॉरीशस, फिजी, त्रिनिदाद, गुयाना और दक्षिण अफ्रीका सहित विभिन्न ब्रिटिश उपनिवेशों में गिरमिटिया मजदूरों के रूप में भेजा गया।

इन मजदूरों को निश्चित अवधि के अनुबंध के तहत काम करना पड़ता था और उन्हें कई स्थानों पर कठोर परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। भारत ने वेंस की टिप्पणी के संदर्भ में इसी ऐतिहासिक प्रभूमि की ओर ध्यान दिलाया है।भारत ने अमेरिका के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि कई पीढ़ियों से वहां पहुंचे प्रवासियों ने अपनी मेहनत, कठमशीलता और नवाचार के माध्यम से देश की समृद्धि में योगदान दिया है।

अमेरिका के शुरुआती इतिहास में अफ्रीकी लोगों को जबर्न लाकर दास बनाने की प्रथा भी शामिल रही। ब्रिटिश उपनिवेशों और बाद में संयुक्त राज्य अमेरिका में लाखों अफ्रीकी मूल के लोगों से जबर्न श्रम कराया गया। दक्षिणी राज्यों में कपास, तंबाकू, चावल और गन्ने के बागानों में दास बनाए गए लोगों से काम लिया जाता था। वर्ष 1860 की अमेरिकी जनगणना के अनुसार, उस समय अमेरिका में लगभग 40 लाख गुलाम बनाए गए लोग थे।

बाद के दौर में ब्रिटेन, आयरलैंड, जर्मनी, इटली और एशिया सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए प्रवासियों ने अमेरिकी कृषि, उद्योग, रेलवे और शहरों के विकास में योगदान दिया। उनके श्रम, कौशल, नवाचार और उद्यमशीलता ने अमेरिकी औद्योगीकरण तथा आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई।

पूजा

शिकायत के मुताबिक, उसी दिन शाम करीब 4:30 बजे पूजा के पति ने गोपाल को फोन कर बताया कि पूजा इमारत से गिर गई हैं। गंभीर हालत में उसे जीइजिमेंटला स्थित लाफ़ स्याइन अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।भाई के बताए समय के अनुसार, सुबह उठते बहन के घर से लौटने और शाम को फोन आने के बीच करीब साढ़े चार घंटे का अंतर था। ऐसे में घटना किस समय हुई, सूचना देने में इतना अंतर क्यों रहा और घटना के दौरान वास्तव में क्या परिस्थितियां थींये जांच के महत्वपूर्ण सवाल हैं। मामले में सामने आई जानकारी के अनुसार, आरोपी पति पण्पूराम 8 अक्टूबर को जिनगराम पुलिस स्टेशन पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की। आरोपी को अदालत में पेश करने और न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई किए जाने की मामले पर जिनगराम पुलिस थाना सर्किल इंसपेक्टर ने शुभ-लाभ संवाददाता को जानकारी दी ।

मारपीट और प्रताड़ना के आरोपों की जांच जरूरी
मृतका के छोटे भाई ने गोपाल कुमार को दी शिकायत में पति पर मानसिक प्रताड़ना, मारपीट और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। ये आरोप फिलहाल शिकायतकर्ता के बयान पर आधारित हैं। पुलिस को घटना से पहले के विवाद, पूजा के इमारत से गिरने की परिस्थितियों, सूचना देने में कथित देरी और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई करनी होगी।बताया जा रहा है कि बिल्डिंग से छलांग लगाने की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी प्रसारित होने की बात सामने आई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटनाक्रम की जांच कर रही है।

भाई ने लगाया आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप
मृतका के भाई गोपाल कुमार ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि पारिवारिक विवाद को लेकर उसका बहनोई पूजा को लगातार परेशान करता था। भाई ने यह भी आरोप लगाया कि उसे कथित रूप से मरने के लिए कहा जाता था। आरोप है कि इसी मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर पूजा ने बिल्डिंग से छलांग लगाने जैसा कदम उठाया। हालांकि, पति पर लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। घटना के वास्तविक कारणों और जिम्मेदारी का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

जवाब तलाश रही जांच

पूजा की मौत के मामले में अब कई अहम पहलुओं पर पुलिस की जांच केंद्रित हैघटना से पहले घर में क्या

हआ, विवाहिता इमारत से किन परिस्थितियों में गिरी, परिजनों को सूचना कब दी गई और शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि कौन से साक्ष्य करते हैं। इन सवालों के जवाब जांच और न्यायिक प्रक्रिया के दौरान सामने करेंगे।जिनाराम पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार, 7 अक्टूबर 2026 को अपराध संख्या 102/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है।और इष्टर व्रतका पुजा मौत के दौरान पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल में शव भिजवाकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर ससुराल पक्ष को सौंप दिया, आगे शव को अपने ससुराल पैतृक ग्राम के लिए ले जाने के लिए रवाना हो गये ।

घरेलू विवादों में...

जरूरत पड़ने पर पुलिस की सहायता भी लेनी चाहिए, ताकि विवाद को समय रहते सुलझाया जा सके और किसी अप्रिय घटना को रोक जा सके।

शुभ लाभ पत्रिका सभी पाठकों से अपील करती है कि किसी भी परिस्थिति में निराशा को स्वयं पर हावी न होने दें। परेशानी चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, मदद मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है। परिवार, समाज और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि संकट में घिरे व्यक्ति को सहारा दें और उसे सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएं।

जीवन अनमोल है।विवाद सुलझ सकते हैं, रिशतों में सुधार हो सकता है।और परिस्थितियां बदल सकती हैं। इसलिए धैर्य रखें, संवाद का रास्ता अपनाएं और जरूरत पड़ने पर सहायता लेने से पीछे न हटें।

उपचुनावों में ...

भाजपा ने मुर्शिदाबाद जिले की रोजीनगर विधानसभा सीट भी 75,816 मतों के अंतर से जीत ली। भाजपा उम्मीदवार शांखर उस्कर को कुल 1,29,914 मत मिले। उन्होंने आम जनता उन्नयन पार्टी (एनेयूपी) के उम्मीदवार गुलाम नबी आजाद को हराया, जिन्हें 54,098 मत प्राप्त हुए। इस सीट पर भाजपा को लगभग 63.14 प्रतिशत मत मिले, जबकि गुलाम नबी आजाद को 26.29 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।मुस्लिम बहुल इस सीट पर भाजपा की जीत को बड़ी राजनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

तमिलनाडु में टीवीके का प्रदर्शन

तमिलनाडु की धारापुरम विधानसभा सीट पर तमिलनाा वेत्री कन्नगम (टीवीके) की उम्मीदवार सत्यबामा पी ने 9,471 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। वहीं, मद्रुतकम सीट पर भी टीवीके के के. मरागथम कुमारवेल ने जीत हासिल की।

दोनों सीटों पर जीत के बाद पार्टी प्रमुख विजय ने मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जीत प्रेम, अपनत्व, रिशतों और लोकतंत्र की रक्षा के प्रति जनता के विश्वास का परिणाम है।

विजय ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने मत खरीदने के लिए पैसे खर्च किए बिना चुनाव जीता है। उन्होंने मतों के बदले पैसे बांटने की अफवाह फैलाने वालों की आल-चेना करते हुए कहा कि जनता ने ऐसे बयानों का जवाब अपने मताधिकार के जरिए दिया है।

विजय ने दोनों सीटों पर प्रचार करने वाले गठबंधन के नेताओं, कार्यकर्ताओं और टीवीके पदाधिकारियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी जनता के साथ खड़ी रहेगी और लोगों के कल्याण के लिए पूरी निष्ठा से काम करती रहेगी। उन्होंने धारापुरम से सत्यबामा पी और मद्रुतकम से मरागथम कुमारवेल को जीत की बधाई देते हुए कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति या पार्टी की नहीं, बल्कि जनता और मतदाताओं की है।

पुडुचेरी में एआईएनआरसी के अशोक आनंद विजयी
पुडुचेरी की शृङ्गनावावडी विधानसभा सीट पर सत्तारूढ़ ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) के उम्मीदवार अशोक आनंद ने जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार ई. विनायगम को 8,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया। द्रविड़ मुनेत्र कन्नगम (डीएमके) के उम्मीद्वार के. सेतु तीसरे स्थान पर रहे।कुछ महिने पहले सत्ता संभालने के बाद इस उपचुनाव को एआईएनआरसी के लिए जनसमर्थन की पहली बड़ी परीक्षा के रूप में देखा जा रहा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी जीत की बधाई
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया

उच्च गति रेल के नाम पर बिना आधिकारिक मांग के भूमि अधिग्रहण अवैध: रेल मंत्री



नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अधिनी वैष्णव ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात कर हैदराबाद-चेन्नई, हैदराबाद-बेंगलुरु और हैदराबाद-पुणे उच्च गति रेल गलियारों पर चर्चा की।

उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित राज्य सरकारों को भूमि अधिग्रहण की कोई आधिकारिक मांग नहीं भेजी गई है। इस स्तर पर उच्च गति रेल के नाम पर किया जा रहा कोई भी भूमि अधिग्रहण अवैध है। रेल मंत्री ने बताया कि इन तीनों गलियारों के लिए अलाइनमेंट अध्ययन जारी हैं। अलाइनमेंट तय होने के बाद विवरण संबंधित राज्य सरकारों और किसानों के साथ साझा किए जाएंगे।



उन्होंने कहा कि हिंदू त्योहारों में अम्मावरी नवरात्रि का विशेष धार्मिक महत्व है। इंदौर में हर वर्ष दुर्गा मंडपों की संख्या बढ़ रही है और युवाओं का भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ना सुखद है। उन्होंने कामना की कि लोकमाता मां दुर्गा का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिला महासचिव एवं 19वें मंडल के पार्षद नागोला लक्ष्मीनारायण, पार्षद मत पवन, बंटू रामू, मलकाई महेंद्र, बंटू प्रीति प्रवीण, प्रसूना श्रीनिवास रेड्डी, ज्योति मुरली, धनिका परमेश्वर, नेता पवन मुंडाडा, मरावर कृष्णा, श्रीनिवास, बाबी सिंह, मंडल अध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

देते हुए कहा कि असम की गंगांव लोकसभा सीट और पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम तथा रोजीनगर विधानसभा सीटों के नतीजे एक बार फिर दिखाते हैं कि जनता का भावना-राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सुशासन के एजेंडे से गहरा जुड़ाव है।उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर जनता का लगातार आशीर्वाद देने के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही, भाजपा के विजयी उम्मीदवारों के बधाई दी और पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत की सराहना की।प्रधानमंत्री ने पुडुचेरी की शृङ्गनावावडी सीट पर जीत के लिए एनडीए की सहयोगी पार्टी एआईएनआरसी को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जनादेश लोगों के कल्याण और उनकी उम्मीदों को पूरा करने के लिए काम करने की ताकत देगा। उन्होंने बेहतर और समृद्ध भविष्य के निर्माण के लिए लगातार काम करते रहने की प्रतिबद्धता भी जताई।

शुभेन्द्र अधिकारी ने हसी रानी रथ को दी बधाई
पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्द्र अधिकारी ने नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में हसी रानी रथ की जीत पर उन्हें बधाई दी और जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की विकास की राजनीति पर जनता के भरोसे को दर्शाती है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार के कामकाज को समर्थन देने के लिए जनता का धन्यवाद किया। साथ ही, चुनाव में जीत सुनिश्चित करने में योगदान देने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं की भी सराहना की।

पाक तेरे टुकड़े...

प्रांतों को छोटा करने के पीछे क्या है दलील ?

‘द इकॉनॉमिस्ट’ की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव के समर्थकों का तर्क है कि पाकिस्तान के मौजूदा प्रांत इतने बड़े हैं कि प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित करना मुश्किल हो जाता है। पंजाब की आबादी लगभग 12.8 करोड़ बताई जाती है, जबकि क्षेत्रफल के लिहाज से सबसे बड़ा प्रांत बलूचिस्तान है, जहां करीब डेढ़ करोड़ लोग रहते हैं।बड़े भौगोलिक क्षेत्रों में सरकारी सुविधाएं और बुनियादी सेवाएं लोगों तक पहुंचाना चुनौतीपूर्ण होता है। ग्रामीण पंजाब में लोगों को आवश्यक सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। बलूचिस्तान के दूरदराज के इलाकों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाना भी कठिन है।हालांकि, पाकिस्तान की खराब आर्थिक स्थिति, महंगाई और कई की समस्या केवेल प्रांतों के बड़े आकार के कारण पैदा नहीं हुई है। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रांतों को बांटने से आम लोगों के जीवन में कितना बदलाव आएगा और इस व्यवस्था का राजनीतिक लाभ किस मिलेगा।

पाकिस्तान में सेना पहले से ही प्रभावशाली

पाकिस्तान के इतिहास में सेना कई बार सीधे सत्ता संभाल चुकी है। वर्तमान व्यवस्था में भी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति जैसे महत्वपूर्ण मामलों में सेना का पर्याप्त प्रभाव माना जाता है। इसके अलावा, सेना से जुड़े संस्थानों की जमीन, कारोबार और अन्य संसाधनों में भी बड़ी भूमिका है।ऐसे में यदि प्रांतों के विभाजन से मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व की ताकत कमजोर होती है, तो केंद्र सरकार और सेना का प्रभाव बढ़ सकता है। बड़े प्रांतों के शक्तिशाली नेताओं के बजाय केंद्र को कई छोटी प्रांतीय सरकारों से निपटना होगा। इससे प्रांतीय नेतृत्व की सामूहिक राजनीतिक शक्ति प्रभावित हो सकती है।

पाकिस्तान में इस संबंध में दो विकल्पों पर चर्चा की जा रही है। पहला विकल्प चार मौजूदा प्रांतों को बांटकर 12 से 15 नए प्रांत बनाना है। दूसरा विकल्प लगभग 160 जिलों को अधिक अधिकार देना है, ताकि लोगों को सरकारी कामकाज और सुविधाओं के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े।योजना मंत्री अहसान इकबाल इन दोनों विकल्पों का उल्लेख कर चुके हैं। नए प्रांतों के गठन के लिए संविधान में संशोधन करना होगा। दूसरी ओर, जिलों को अधिक अधिकार देने से मौजूदा प्रांतों की सीमाएं बदले बिना प्रशासन को लोगों के करीब लाया जा सकता है।

पाकिस्तान सरकार की ओर से अभी तक नए प्रांतों का कोई आधिकारिक नक्शा जारी नहीं किया गया है। हालांकि, प्रस्तावित विभाजन को लेकर जिन क्षेत्रों के नाम चर्चा में हैं, उनमें निम्नलिखित संभावित इकाइयां शामिल हैं।



॥ श्री गणेशाय नमः ॥



श्री आईजी गौशाला



शनिवार, दि. 10 अक्टूबर 2026, पितृपक्ष अमावस्या के अवसर पर पधारें

श्री आईजी गौशाला

शनिवार, दि. 10 अक्टूबर 2026, पितृपक्ष अमावस्या, मल्कारम, बालाजीनगर, (कापरा मंडल) (रजि.नं.720/2008)

के अवसर पर सपरिवार पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्य कर लाभ लेंवें

एक दिन गौ माता के नाम जागरण साउंड व्यवस्था : राठौड़ साउंड एंड डिजिटल स्टूडियो
आई माताजी भजन मंडली बालाजीनगर, अचलारामजी हाम्बड़, मोहनलालजी भायल, ओमप्रकाशजी
कुमावत, गिग्धारीलालजी प्रजापत, पिटुंजी सागर एवं लक्ष्मणजी सुथार द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएंगे।

भोजन प्रसादी लाभार्थी : देवाराम, चन्दूलाल (सुपुत्र : तुलछारामजी मेरावत, सुचित्रा),
राजुराम, नारायणलाल (सुपुत्र : हाथीरामजी कुमावत, सुचित्रा), अर्जुनलाल (सुपुत्र : रतनलालजी बर्फी, सुचित्रा)
शांतिलाल (सुपुत्र : मोहनलालजी देशलार, ताड़बन्द), रामस्वरूप (सुपुत्र : स्व. बुधारामजी जांगिड़, जीडिमेटला)

गौशाला के बैंक एकाउंट में भी दान राशी जमा कराकर पुण्य के भागीदार बने

(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c no.: 62492036580, IFSC : SBIN0020435)

निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण

अध्यक्ष : किशनलाल पँवार-9394778098, सचिव : हुस्माराम सानपुरा-9441118022

बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़! सड़क नियमों की अनदेखी कर रहे अभिभावक

बंजारा हिल्स रोड नंबर-12 पर सामने आया मामला, यातायात नियमों के पालन और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की उठी मांग

हैदराबाद, 09 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)

शहर की सड़कों पर यातायात नियमों की अनदेखी केवल वाहन चालकों के लिए ही नहीं, बल्कि उनके साथ सफर कर रहे बच्चों के लिए भी गंभीर खतरा बन सकती है। हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित रोड नंबर-12 पर शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे

सामने आए एक मामले को लेकर सोशल मीडिया पर चिंता जताई जा रही है। वायरल पोस्ट के अनुसार, बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों की लापरवाही पर सवाल उठाए गए हैं और हैदराबाद सिटी पुलिस से कार्रवाई की मांग की गई है। यातायात नियमों का उद्देश्य केवल चालान या जुर्माने तक

सीमित नहीं है, बल्कि सड़क पर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। खासकर बच्चों के मामले में वाहन चलाने वालों और अभिभावकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। बच्चों को असुरक्षित तरीके से वाहन पर बैठाना, हेलमेट या अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों की



अनदेखी करना अथवा यातायात नियमों का उल्लंघन करना गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता है। बंजारा हिल्स रोड नंबर-12 की घटना को लेकर सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सबसे पहले अभिभावकों की जिम्मेदारी है। यदि बड़े ही नियमों का पालन नहीं करेंगे, तो बच्चों में सुरक्षित यातायात व्यवहार विकसित करना भी कठिन होगा। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में घटना के सटीक विवरण और कथित उल्लंघन की प्रकृति स्पष्ट नहीं है, इसलिए मामले के तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है।

सोशल मीडिया पर लोग हैदराबाद सिटी पुलिस से मामले पर ध्यान देने और आवश्यक कार्रवाई करने की अपील कर रहे

हैं। यदि यातायात नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो संबंधित अधिकारियों द्वारा उपलब्ध तस्वीरों या वीडियो की जांच कर नियमानुसार कदम उठाए जा सकते हैं। फिलहाल, पुलिस की ओर से इस विशेष मामले में कार्रवाई किए जाने की आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है।

सड़क सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को वाहन पर सुरक्षित बैठाएं, आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करें और यातायात नियमों का स्वयं पालन करके उदाहरण प्रस्तुत करें। कुछ मिनट बचाने या जल्दबाजी में उठाया गया जोखिम बच्चों की जान पर भारी पड़ सकता है।

सड़क पर सावधानी केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि

सामाजिक दायित्व भी है। बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में

जागरूकता, जिम्मेदार व्यवहार और नियमों का सख्ती से पालन

ही दुर्घटनाओं को रोकने में मदद कर सकता है।

गौ माता, गौ माता की संतान की सेवा और पोषण क्षेत्र में कार्य कर रहा

आज अमावस्या

पेद्दाशापुर, गोलुर रोड (स्टैच्यू ऑफ़ इक्वालिटी के समीप)

अवैध कत्लखानों से बचाए गए 4500 से अधिक गौवंश का घर

ध्यान फाउण्डेशन द्वारा पेद्दाशापुर, गोलुर रोड गौशाला तथा यादगिरीगुट्टा में सहयोग नन्दीशाला में गौवंश की सेवा की जा रही है।

गौवंश हेतु गौशाला में चारे के विकट समस्या के कारण सभी से अनुरोध है कि कृपया गौशाला में सहयोग करें।

प्रति एकादशी सायं 4:30 बजे से इच्छापूर्ति यज्ञ का आयोजन सभी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्नलिखित बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।

Account Name : DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No. : 00812020002930 HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code : HDFC0000081 - Call : 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.
CSR Regn. No. CSR00003498 FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code : SBIN0000691 SWIFT : SBININBB104

॥ जय गौमाता ॥

सर्वपितृ अमावस्या

आज शनिवार, 10 अक्टूबर 2026

शिवमंदिर गौशाला, शमशेरगंज में नवनिर्मित भवन, 6000 स्व्याथर फीट के दो हॉल एवं 1500 स्व्याथर फीट का एसी हॉल, चार एसी कमरे किसी भी मंगल कार्य के लिये उचित दर पर उपलब्ध है आप निम्नलिखित किसी भी प्रकार की सेवा में भाग लेकर अपने पितरों का शुभाशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

गौसेवा हेतु सहयोग राशि स्वीकृत कर सकते हैं।

आजीवन सदस्यता	₹. 1,11,111/-
एक दिन का चारा	₹. 21,000/-
एक दिवसीय हरी घाँस	₹. 18,000/-
एक दिन की कुट्टी	₹. 14,000/-
एक दिन की लाप्सी सेवा	₹. 7,100/-
एक दिवसीय गुड़	₹. 5,100/-
एक दिवसीय चुन्नी भूँसाँ	₹. 3,100/-
प्रति दिन की चिकित्सा सेवा	₹. 2,100/-
एक गाय बछड़े का प्रतिमाह चारा खर्च	₹. 2,100/-
एक कट्टा हरी घाँस एक महीने तक	₹. 500/-

गौसेवा के प्रमुख लाभ: गौमाता को हरा चारा, गुड़, रोटी आदि खिलाने से पुण्य की प्राप्ति होती है। पितृ पक्ष में गौसेवा करने से पितरों की तुष्टि और आशीर्वाद मिलता है। परिवार में सुख-शांति, समृद्धि और सन्तान आता है। दान-पुण्य और सेवा-भाव से मन पवित्र होता है। विशेष रूप से श्राद्ध के दिन या सर्वपितृ अमावस्या पर गौसेवा अत्यंत शुभ मानी जाती है।

गौशाला में गौदान एवं तुलादान की भी व्यवस्था है

हमारे यहाँ शुद्ध एवं पवित्र गिर गाय का घी उपलब्ध है

निवेदक : कार्य समिति

ॐ शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल, शमशाबाद

OM SHIV MANDIR GOSHALA

MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD, Shamshergunj Branch
C/A No. 0031030000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
9849379735, 7989734546, 9000001863, 9959271866, 9100353375

शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज, हैदराबाद

SHIV MANDIR GOSHALA

AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD, Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002

मानव | ग्रह | प्रगति

जिम्मेवार खनन और नवाचार के माध्यम से विकास को बढ़ावा

एनएमडीसी लिमिटेड की 68वीं वार्षिक आम बैठक में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

प्रिय शेयर धानकों,

मुझे एनएमडीसी लिमिटेड की वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है, एक ऐसा वर्ष जो मजबूत प्रदर्शन, महत्वपूर्ण माइलस्टोन और हमारी दीर्घकालिक विजन की दिशा में निरंतर प्रगति को चिह्नित करता है।

वर्ष 2026 ने हमारी राष्ट्रीय यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय चिह्नित किया है। वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत की प्रगति स्थिर और निर्णायक बनी हुई है। वित्त वर्ष 2026 में 7.7% की हमारी वार्षिक जीडीपी वृद्धि हमारी अर्थव्यवस्था की ताकत और निवेश गति को दर्शाती है। भारत प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक भागीदारी में भी नेतृत्व को सुनिश्चित कर रहा है।

एनएमडीसी के लिए यह 'यूरेका' क्षणों से भरा वर्ष रहा है, जहाँ हमने अपने जीवन के मूल उद्देश्यों की पहचान की और अपनी वास्तविक क्षमता का उपयोग करने के लिए गहन परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। वित्त वर्ष 2026 में, हम भारत में एक ही वर्ष में 60 मिलियन टन से अधिक लौह अयस्क का उत्पादन करने वाली पहली खनन कंपनी बन गए हैं और इतिहास रचते हुए 53.16 मिलियन टन का रिकॉर्ड उत्पादन और 50.24 मिलियन टन की विक्री हासिल की। ये आंकड़े वर्ष-दर-वर्ष उत्पादन में 20.62% की वृद्धि और विक्री में 13.15% की वृद्धि को दर्शाते हैं, जो कि वर्तमान उत्पादन और विक्री उपकरणों और बुनियादी ढांचे की क्षमताओं और काबिलियत को अनुकूलित और पार करके स्वाभाविक रूप से प्राप्त किया है। एनएमडीसी ने एक ही वर्ष में उत्पादन में इतनी बड़ी बढ़ोतरी करके अपनी क्षमता साबित की है, जो उद्योग में अमूर्तपूर्व और अद्वितीय है। इस सराहनीय प्रदर्शन के माध्यम से, एनएमडीसी ने भारत के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास की नींव को मजबूत करने में विशेष योगदान दिया है।

यह परिचालन उत्कृष्टता स्वाभाविक रूप से कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में परिलक्षित हुई, जिसने कारोबार और अन्य वित्तीय पैरामीटर में नए शिखर दर्ज किए। परिचालन से राजस्व 33.31% बढ़कर 31,554 करोड़ रुपये हो गया, कर-परचात लाभ 10.88% बढ़कर 7,421 करोड़ रुपये दर्ज हुआ और नेटवर्क 14.39% बढ़कर 33,836 करोड़ रुपये हुआ। एनएमडीसी ने वर्ष के दौरान पूंजीगत व्यय में 3,384 करोड़ रुपये का निवेश किया और शेयरधारकों को महत्व देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 2.50 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया और 1 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव रखा, जो कि शेयरधारक अनुमोदन के अधीन है।

भारत में तेजी से हो रहे औद्योगिकीकरण के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और जिम्मेदारी से प्रबंधित खनिज संसाधनों की आवश्यकता है। इसलिए 100 एमटीपीए लौह अयस्क उत्पादन क्षमता प्राप्त करने की हमारी विजन 2030 केवल एक व्यावसायिक महत्वाकांक्षा नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक खनिज सुरक्षा और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान है।

विकास के आधार को मजबूत करना

एनएमडीसी की यात्रा का अगला चरण अपनी क्षमता और महत्वाकांक्षा को सुरक्षित, कुशल और भरोसेमंद संचालन में बदलने पर केंद्रित है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हमारा 60 एमटी का उत्पादन लक्ष्य, 100 एमटीपीए के मार्ग की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।



f x in /nmdclimited | पंजीकृत कार्यालय : 10-3-311/ए, 'खनिज भवन', केसल हिल्स, मासाव टैंक, हैदराबाद-500028 | वेबसाइट : www.nmdc.co.in | सीआईएन : L13100TG1958GOI001674
 नोट : उपरोक्त कथन एनएमडीसी के 28.09.2026 को आयोजित 68वीं एजीएम की कार्यवाही का रिकॉर्ड होने का दावा नहीं करता है।

सीएसआर पहलों के माध्यम से एनएमडीसी स्वास्थ्य-देखभाल, शिक्षा, कोशल-विकास और सामुदायिक बुनियादी ढांचे में भी योगदान दे रहा है, विशेषकर हमारे प्रचालन के आस-पास के क्षेत्रों में।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस

कॉर्पोरेट गवर्नेंस एनएमडीसी की संगठनात्मक संस्कृति का मुख्य आधार है, जो हमारे काम-काज और निर्णय लेने के हर पहलू को मजबूती देता है। हम अपने सभी हितधारकों, जिनमें शेयरधारक, ग्राहक, आपूर्तिकर्ता, ऋणदाता, भारत सरकार, राज्य सरकारें, नियामक प्राधिकरण और वे समुदाय हैं, जिनकी हम सेवा करते हैं, उनके लिए स्थायी दीर्घकालिक मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अखंडता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों का पालन करते हुए, शब्दों और भावना दोनों में, हम लागू नियमों और विनियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। पारदर्शी शासन प्रथाओं, विवेकापूर्ण जोखिम प्रबंधन और जिम्मेदारी के साथ निर्णय लेने के माध्यम से, हम हितधारकों के विश्वास को मजबूत करते हैं और मूल्य-निर्माण को सुरक्षित रखते हैं।

भविष्य की राह

आने वाला वर्ष निष्पादन, समेकन और परिवर्तन का वर्ष होगा। हमारे उच्च उत्पादन आधार को स्थिर करना, 60 एमटी उत्पादन माइलस्टोन तक पहुंचना, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे वाली परियोजनाओं को पूरा करना और क्षमता-विस्तार के अगले चरणों को आगे बढ़ाना प्रमुख प्राथमिकताएं बनी रहेंगी।

100 एमटीपीए की ओर यात्रा के लिए परिचालन उत्कृष्टता, अनुशासित पूंजी आवंटन, मजबूत परियोजना निष्पादन, प्रौद्योगिकी अपनाने और सुरक्षा व स्थिरता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। इसके साथ ही, एनएमडीसी भारत की विकसित हो रही खनिज-सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों में विविधीकरण के अवसरों का पता लगाना जारी रखेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि एनएमडीसी के पास आगे आने वाले अवसरों और चुनौतियों का सामना करने के लिए संसाधन, क्षमताएं और संस्थागत ताकत है। हम एक ऐसा उद्यम बना रहे हैं जो पैमाने में बड़ा, क्षमता में मजबूत, प्रौद्योगिकी के माध्यम से अधिक स्मार्ट और अपने कार्यों में अधिक जिम्मेदार है।

मैं भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय, खान मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अन्य सरकारी विभागों और राज्य सरकारों को उनके निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं अपने कर्मचारियों और उनके यूनियनों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, साझेदारों, मेजबान समुदायों, नियामकों और शेयरधारकों को उनके निरंतर विश्वास और भरोसा जताने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

हम सभी मिलकर एनएमडीसी को विश्व-स्तर पर प्रतिस्पर्धी खनन उद्यम के रूप में विकसित करेंगे और एक मजबूत, अधिक आत्मनिर्भर और खनिज-सुरक्षित भविष्य की ओर भारत की यात्रा के केंद्र में बने रहेंगे।

जय हिन्द!

दिनांक : 28.09.2026
स्थान : हैदराबाद

अमिताभ मुखर्जी
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

